मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 332
सोमवार, 22 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पीएम मोदी ने कोलकता में नौसेना को सौंपे 3 स्वदेशी जहाज

कोलकता, 21 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोलकाता में भारत में ही डिजाइन और तैयार किए गए इंडियन नेवी के तीन नए जहाजों को नौसेना में शामिल किया। इनमें एडवांस्ड स्टील्थ फ्रिगेट INS दूनागिरी, सर्वे वेसल INS संशोधक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट INS अग्रय शामिल हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज इंटरनेशनल योग दिवस के साथ-साथ विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस भी है, और यह एक बेहतरीन संयोग है कि इसी दिन हमने सबसे मॉडर्न हाइड्रोग्राफी जहाज, क्छर संशोधक को नौसेना को सौंपा है।

पीएम मोदी ने समुद्र की इम्पोर्टेंस समझाते हुए कहा कि विकास, सुरक्षा और समृद्धि सब कुछ समुद्र से जुड़े हैं। दुनिया का ज्यादातर बिजनेस और इंटरनेट डेटा का नेटवर्क समुद्र के रास्ते ही चलता है। उन्होंने कहा कि जिस देश की समुद्री ताकत मजबूत होती है, उसका आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव भी दमदार होता है। क्छर विक्रांत से शुरू हुआ यह सफर सिर्फ नए युद्धपोतों का नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का सबूत है।

पीएम ने कहा कि ये तीनों जहाज मेड इन इंडिया हैं, जो भारतीय इंजीनियरों और कामगारों की कड़ी मेहनत का नतीजा हैं। आज भारत रक्षा क्षेत्र में सिर्फ एक खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि एक निमार्ता बनना चाहता है। हाल के सालों में 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां नौसेना में शामिल हो चुकी हैं और 45 नए नौसैनिक प्लेटफॉर्म अभी बन रहे हैं। एक आधुनिक जहाज को बनाने में सैकड़ों टन स्टील और इलेक्ट्रॉनिक्स की जरूरत होती है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलता है। आज शामिल किए गए 3 जहाजों को बनाने में 200 से ज्यादा छोटे उद्योगों ने मदद की है, जिससे बड़े पैमाने पर

नौकरियां पैदा हुईं।

पीएम मोदी ने बताया कि भारत अब समुद्री शक्ति के अगले फेज में एंट्री कर रहा है। इसके लिए शिप बिल्डिंग, रिपेयरिंग और रीसाइक्लिंग को एक नेशनल मिशन की तरह देखा जा रहा है। शिपिंग सेक्टर के लिए घोषित किया गया 70,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पैकेज भारत के समुद्री भविष्य में एक बड़ा इन्वेस्टमेंट है। इसके अलावा सागरमाला जैसी पहलों से बंदरगाहों को आधुनिक बनाया जा रहा है और नदी जलमार्गों का विस्तार किया जा रहा है, जिससे व्यापार की लागत कम हो रही है।

एक समय था जब भारत को दुनिया के सबसे बड़े डिफेंस इम्पोर्टर के रूप में जाना जाता था, जिससे सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा होती थीं। लेकिन 2014 के बाद बड़े नीतिगत सुधार किए गए। 2014 तक देश का कुल डिफेंस प्रोडक्शन लगभग 40,000 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर लगभग 1,80,000 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट जो पहले सिर्फ 700 करोड़ रुपये था, वह अब अभूतपूर्व गति से बढ़कर लगभग 40,000 करोड़ रुपये पहुंच गया है। भारत में बने रक्षा उपकरण आज दुनिया के 80 से ज्यादा देशों में जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के इस नए समुद्री युग में पश्चिम बंगाल एक बेहद अहम रोल निभाएगा। यहां की समुद्री अर्थव्यवस्था, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जरूरी हुनर मौजूद है। उन्होंने आखिर में कहा कि भारत हमेशा समुद्र को सहयोग का माध्यम मानता है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए ताकत भी उतनी ही जरूरी है। आज शामिल हुए तीनों जहाज इसी नए और आत्मविश्वासी भारत का प्रतीक हैं।

नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा कड़ी सुरक्षा में एग्जाम संपन्न

नई दिल्ली, 21 जून। देश भर के विभिन्न केंद्रों पर रविवार को नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। पिछले 3 मई को हुई परीक्षा के रद्द होने के बाद, इस बार पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। 22.79 लाख से अधिक उम्मीदवारों वाली इस परीक्षा के दौरान केंद्रों पर बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, प्रवेश द्वारों पर सख्त तलाशी और अतिरिक्त सीसीटीवी निगरानी जैसी व्यवस्थाएं लागू रहीं, जिससे पूरी प्रक्रिया बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से पूरी हुई।

परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों की शुरूआती प्रतिक्रियाओं के अनुसार, इस बार का प्रश्नपत्र पिछली परीक्षा के मुकाबले काफी लंबा और कठिन था। उम्मीदवारों का कहना है कि पूरे पेपर को हल करने में काफी समय लगा। छात्रों ने

फिजिक्स सेक्शन को सबसे ज्यादा लंबा और पिछली बार की तुलना में थोड़ा अधिक कठिन बताया। कई छात्रों के मुताबिक केमिस्ट्री का स्तर भी इस बार काफी मुश्किल रहा। बायोलॉजी के सेक्शन को छात्रों ने अच्छा बताया, हालांकि इसके सवाल भी काफी लंबे और समय लेने वाले थे।

परीक्षा में शामिल हुए कुछ उम्मीदवारों ने एक और महत्वपूर्ण बात साझा की है। उनका दावा है कि इस री-एग्जामिनेशन के प्रश्नपत्र में दो से तीन सवाल ऐसे थे, जो पिछले पेपर से हूबहू दोहराए गए थे। कुल मिलाकर, छात्रों का मानना है कि इस बार का पेपर ओवरऑल काफी चुनौतीपूर्ण था।

जलपाईगुड़ी बस हादसा: मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये की सहायता देगी शुभेंदु सरकार

कोलकाता, 21 जून। बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के मयनागुड़ी में एनएच-27 पर रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत और 50 से अधिक यात्रियों के घायल होने की घटना सामने आई। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के स्वजन और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के निकटतम स्वजन को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

वहीं, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एक लाख रुपये तथा सामान्य रूप से घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा सरकारी चिकित्सा संस्थानों में सभी

घायलों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलपाईगुड़ी जिला प्रशासन और पुलिस राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है। सीएम ने उत्तर बंगाल विकास मंत्री निशिथ प्रमाणिक और परिवहन राज्यमंत्री आनंदमय बर्मन को जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर राहत कार्य की निगरानी करने तथा घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मारिजान काप की तूफानी बल्लेबाजी से भारत को मिली हार

नई दिल्ली, 21 जून। मारिजान काप के नाबाद 81 रनों की पारी की बदौलत साउथ अफ्रीका ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हरा दिया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद काप के नाम का तूफान आया और उसमें भारतीय टीम उड़ गई। काप ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और अपनी टीम को जीत दिलाई। इसी के साथ भारत का सेमीफाइनल में पहुंचने का पेंच भी फंस गया है।

भारत के 159 रनों के लक्ष्य को अफ्रीकी टीम ने 19.1 ओवरों में हासिल कर लिया और मुकाबले में 6 विकेट से जीत हासिल की। मुकाबले में श्री चरणी ने एक समय पर एक ओवर में 2 विकेट हासिल कर टीम इंडिया की वापसी कराई लेकिन काप क्रीज पर डटी रहीं। उन्हें एक जीवनदान मिला और राधा यादव ने उनका कैच टपका दिया था। काप ने इसका पूरा फायदा उठाया

और 81 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद टीम इंडिया के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा क्रीज पर उतरी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 30 रनों की साझेदारी की। मारिजान काप ने शानदार बल्लेबाजी कर रही स्मृति मंधाना को 17 रनों के स्कोर पर अपना शिकार बनाया। उनके आउट होने के बाद शेफाली ने आक्रामक रुख अपनाए रखा। शेफाली ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी रखा लेकिन उन्हें शबनीम इस्माइल ने अपना शिकार बना लिया। शेफाली 15 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हो गई। उनके आउट होने के बाद कोई भी भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। कप्तान हरमनप्रीत कौर (24), दीप्ति शर्मा (29) और ऋचा घोष के 15 रनों के दम पर 158 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया। साउथ अफ्रीका के लिए मारिजान काप और शबनीम इस्माइल सबसे कामयाब गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 2-2 विकेट अपने नाम किए। भारत के द्वारा दिए गए 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने अच्छी शुरूआत की। भारत को विकेट की तलाश थी और चरणी ने छठे ओवर में लौरा वोल्वाड्ट को आउट कर भारत की तलाश को खत्म किया। उन्होंने उसी ओवर में एनेरी डर्कसन को भी आउट किया और टीम इंडिया की मुकाबले में वापसी कराई। साउथ अफ्रीका की अनुभवी बल्लेबाज मारिजान काप को राधा यादव ने जीवनदान दे दिया। उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया और टीम इंडिया के लिए फिफ्टी जड़ दी। लगातार दो विकेट गंवाने के बाद काप ने ताजमिन ब्रिट्स के साथ मिलकर पारी को संभाला और शुरूआत में संभलकर बल्लेबाजी की। जब उनकी एक बार आंखें क्रीज पर जम गई, तो बड़े शॉट्स खेलने शुरू कर दिए और 34 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया। उन्होंने 45 गेंदों पर नाबाद 81 रनों की पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनकी इसी परी के दम पर साउथ अफ्रीका ने मुकाबले में 6 विकेट से जीत हासिल की है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस मुकाबले में हार के साथ भारत की सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो गई है। टीम इंडिया के दो मुकाबले बचे हैं, जिमसें उन्हें ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश का सामना करना है। ऑस्ट्रेलिया टीम इंडिया के लिए कठिन चुनौती हो सकती है। अगर मौजूदा अंक तालिका पर नजर डालें, तो भारत के ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया टॉप पर है। टीम इंडिया दूसरे स्थान पर है। तो वहीं अफ्रीकी टीम तीसरे नंबर है लेकिन भारत और साउथ अफ्रीका के 4-4 अंक हैं।

होर्मुज खुलने से पहले भारत सरकार का बड़ा फैसला, रूस और यूएई से तेल खरीद को बढ़ाया

नई दिल्ली। जून में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात जहां बढ़ा है वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से तेल की खरीद रिकार्ड स्तर के करीब पहुंच गई है।

मैरीटाइम और कमोडिटी इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के आंकड़ों से पता चला है कि भारत ने 19 जून तक रूस से औसतन 26.60 लाख टन बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया। जबकि मई में यह आंकड़ा 19..10 लाख बैरल प्रतिदिन था। इस तरह मॉस्को देश का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

19 जून तक यूएई से आयात 6.36 लाख बैरल प्रतिदिन रहा जो मई में आयात किए गए रिकॉर्ड 6.44 बैरल प्रतिदिन से थोड़ा कम है।

ईरानी राष्ट्रपति का बड़ा दावा: आखिर अमेरिका को झुकना पड़ा, डील ज्यादातर तेहरान के पक्ष में

ईरान, 21 जून। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक प्रक्रिया के बीच ईरान के राष्ट्रपति Masoud Pezeshkian ने दावा किया है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) की अधिकांश शर्तें ईरानी जनता के हित में हैं। ईरानी सरकारी प्रसारक Islamic Republic of Iran Broadcasting के अनुसार, 33वें मौद्रिक एवं बैंकिंग नीति सम्मेलन को संबोधित करते हुए पेजेशकियन ने कहा कि अमेरिका का रुख 180 डिग्री बदल गया है और अब वाशिंगटन यह स्वीकार करने को मजबूर हो गया है कि वह ईरान के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्विट्जरलैंड में शुरू हुई वार्ताएं ईरान

के लिए आर्थिक समृद्धि, नए बाजारों तक पहुंच और लंबे समय से चली आ रही आर्थिक चुनौतियों के समाधान का रास्ता खोल सकती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बातचीत से निवेश, व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ईरानी अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी।

पेजेशकियन ने दावा किया कि संवाद प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही कतर में जमे ईरान के 6 अरब डॉलर जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ईरान को अपने वित्तीय संसाधनों तक दोबारा पहुंच मिलेगी और उनका उपयोग कैसे करना है, इसका निर्णय भी तेहरान स्वयं करेगा।

ईरानी राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि उनका देश शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम संवर्धन के अपने अधिकार से कभी पीछे नहीं हटेगा।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

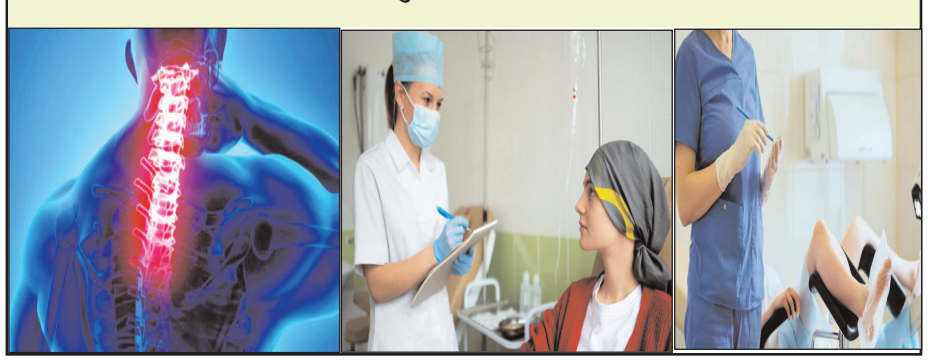

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

मल्लखंभ: भारत का प्राचीन एवं कठिनतम खेल

मल्लखंभ भारत की प्राचीनतम और सबसे कठिन शारीरिक कलाओं में से एक है।भारत के सबसे प्राचीन पारंपरिक खेलों में से मल्लखंभ ताकत, लचीलापन, संतुलन और मानसिक दृढ़ता का अनोखा संगम है। इस कला में खिलाड़ी हवा में योग और जिम्नास्टिक के करतब एक उर्ध्वाधर खंभे या लटकी हुई रस्सी पर दिखाते हैं। यह योग के विभिन्न आसनों का ही एक उन्नत और अधिक चुनौतीपूर्ण रूप है। मल्लखंभ में भी खंभे या रस्सी पर टिके रहने के लिए चरम स्तर की एकाग्रता, सांसों पर नियंत्रण और जागरूकता की आवश्यकता होती है, जो कि योग और मानसिक अनुशासन का ही हिस्सा है। जिस प्रकार योग में प्राणायाम और सांस पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। मल्लखंभ में भी मुश्किल करतब करते समय सांस पर नियंत्रण बनाए रखना अनिवार्य होता है, ताकि शरीर का संतुलन बना रहे। विडंबना यह है कि अपनी शानदार विरासत और विदेशी मंचों पर मिली प्रशंसा के बावजूद, इसे अपने ही देश में लंबे समय तक घोर उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। भारत में इसे वह मुकाम नहीं मिला, जबकि विदेशों में इसे भारी सम्मान मिल रहा है। जर्मनी, अमेरिका, जापान, और चेक गणराज्य सहित दुनिया के 26 से अधिक देशों में मल्लखंभ खेला जा रहा है। यहाँ तक कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे पहचान दिलाने के लिए 'मल्लखंभ वर्ल्ड चैंपियनशिप' भी आयोजित की जा चुकी है।

भारत में मल्लखंभ एक जमाने से खेला जाता रहा है लेकिन वक्त के साथ-साथ चीजें तेजी से बदल रही हैं। मल्लखंभ के बारे में प्राचीन भारतीय ग्रंथ रामायण में वर्णन है। पहला प्रत्यक्ष वर्णन बारहवीं शताब्दी की शुरूआत में मानसोलस नामक पाठ में है। इसे चालुक्य राजा सोमेश्वर तृतीय द्वारा लिखा गया। भारत के बौद्ध चीनी तीर्थ यात्रियों की किताबों में भी इसका उल्लेख है। 12वीं सदी में भारत में मल्लखंभ की शुरूआत हुई थी। 1600 के दशक के अंत से लेकर 1800 दशक के शुरूआत तक गतिविधि निष्क्रिय रही। पेशवा बाजीराव द्वितीय ने इसे लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई। दादा बालमधर देवधर मल्लखंभ के आद्य गुरु माने जाते हैं। वे बाजीराव पेशवा के दरबार में एक जाने-माने कुश्तीगीर और कसरतपटू थे। दादा बालमधर देवधर,पेशवा बाजीराव द्वितीय ने अपनी पेशवा सेना को प्रशिक्षित करने में कला को पुनर्जीवित किया। बालमभट्ट दादा देवधर को 19वीं सदी में इसके पुनरुद्धार और इसे एक लोकप्रिय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण के रूप में स्थापित करने का श्रेय जाता है। किंवदंती है कि उन्हें यह विद्या भगवान हनुमान से मिली, जब उन्होंने जंगल में बंदरों के फुर्तीले और लचीले करतबों को देखकर अभ्यास किया। बालमभट्ट ने इसी खंभे पर अभ्यास करके हैदराबाद के निजाम के दिग्गज पहलवानों (गुलाम और अली) को हराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी। मराठा साम्राज्य की एक प्रमुख योद्धा झाँसी की रानी, ने अपने बचपन में नाना साहब और तात्या टोपे के साथ मिलकर बालम्भट्टा से मल्लखंभ की शिक्षा ली।

मुख्य रूप से तीन प्रकार के मल्लखंभ खेले जाते हैं। पहला पोल मल्लखंभ है, जो पारंपरिक रूप है, जिसमें जमीन पर गड़े 2.6 मीटर ऊंचे लकड़ी के खंभे का इस्तेमाल होता है। दूसरा रोप मल्लखंभ,इसमें खिलाड़ी एक लटकी हुई रस्सी के सहारे शारीरिक संतुलन और कलाबाजियां दिखाते हैं और तीसरा हैंगिंग यानी झूलता मल्लखंभ जमीन से थोड़ा ऊपर लटका हुआ खंभा, जो चारों तरफ घूम सकता है। भारत के इस प्राचीन खेल मल्लखंभ ने पहली बार बर्लिन 1936 के ओलंपिक के दौरान पूरी दुनिया का ध्यान आकृष्ट किया। उस समय मल्लखंभ कबड्डी सहित कई स्वदेशी भारतीय खेलों में एक था, जिसे ओलंपिक शुरू होने से पहले बर्लिन में प्रदर्शित किया गया था। इन खेलों में स्थानीय लोगों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय समुदायों ने हिस्सा लिया था। तब से यह खेल पूरी दुनिया में फैल गया। साल 2019 में मुंबई में पहली बार मल्लखंब विश्व चैम्पियनशिप आयोजित की गई, जिसमें 17 राष्ट्र खेल में भाग लेने के लिए आए थे। इस आयोजन को याद करते हुए, दीपक ने कहा कि वह विदेश में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखकर खुश हैं। 'विश्व चैंपियनशिप में न केवल एशियाई देशों से बल्कि यूरोपीय देशों के भी एथलीट थे। कुछ देशों ने हमें इटली और जापान सहित अच्छी प्रतिस्पर्धा दी, जो देखने में बहुत अच्छा था क्योंकि यह इंगित करता है कि खेल दुनिया भर में फैल रहा है।' मुझे बहुत गर्व की अनुभूति हुई जब प्रधानमंत्री मोदी जी ने मन की बात पर मल्लखंब के बारे में बात की और मल्लखंभ उपकरण के संबंध में अमरीका और जापान को भारत सरकार की सहायता की चर्चा की। उन्होंने कहा, पीएम मोदी, मल्लखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया और केन्द्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्रालय ने खेल को सार्वभौमिक मान्यता दिलाने में मदद की है।

भारत के कई इलाकों में मल्लखंभ खेल काफी लोकप्रिय है। पुणे, मुंबई, और अमरावती (यहाँ का हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल) मल्लखंभ के ऐतिहासिक और प्रमुख केंद्र हैं। मध्य प्रदेश मल्लखंभ का सबसे बड़ा गढ़ है। मध्य प्रदेश सरकार ने 2013 में इसे अपना 'राज्य खेल' भी घोषित किया था। उज्जैन को इस खेल का मुख्य केंद्र या तीर्थ माना जाता है, जहाँ इसकी राष्ट्रीय स्तर की अकादमियां स्थित हैं। इसके अलावा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और भोपाल में भी यह बेहद लोकप्रिय है। बिहार के भागलपुर स्थित श्री मारवाड़ी व्यायामशाला भागलपुर ने भारत की प्राचीन स्वदेशी खेल कला मल्लखंभ को सहेजने और उसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में ऐतिहासिक और अग्रणी भूमिका निभाई है। मल्लखंभ के क्षेत्र राष्ट्रीय फलक पर बिहार को स्थापित करने में भागलपुर के मारवाड़ी व्यायामशाला के प्रशिक्षक हृदय नारायण ठाकुर, विश्वनाथ प्रसाद यादव और योगिराज हरिदेव प्रसाद ठाकुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन गुरुओं के अथक परिश्रम का ही नतीजा था कि पहले भागलपुर विश्वविद्यालय और बाद में नाम परिवर्तन के बाद तिलकामांझी भागलपुर विश्विद्यालय का देशभर में दबदबा रह चुका है। दो दशक पूर्व में ऑल इंडिया विवि स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भागलपुर विश्वविद्यालय के खिलाड़ी पवन कुमार पोद्दार, जगदीश प्रसाद शर्मा, बनवारी लाल वर्मा, रघुनंदन भिवानीवाला, मदनमोहन शर्मा, विजय कुमार बाजोरिया और ज्ञान प्रकाश सिन्हा ने पदक जीत कर विवि की देश भर में पहचान बनायी थी। इसके बाद शंकर कुमार कर्ण, रमण कर्ण ने कानपुर में 2002 में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व किया। इस खेल के लिए खिलाड़ी आगे नहीं आए नतीजतन मलखंब खेल पूरी तरह विवि में बंद हो गया। हाल के वर्षों में राज्य सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और बिहार राज्य खेल प्रतिभा खोज (मशाल प्रतियोगिता) के जरिए जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को सामने ला रही है, जिससे बिहार का राष्ट्रीय फलक पर प्रतिनिधित्व बढ़ा है। वहीं झारखंड में मल्लखंभ को लोकप्रिय बनाने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में राज्य के खिलाड़ियों, कोचों और झारखंड राज्य मल्लखंभ एसोसिएशन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। झारखंड में इस प्राचीन कला को जीवित रखने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने में 'झारखंड राज्य मल्लखंभ एसोसिएशन' के महासचिव डॉ. अजय झा की अहम भूमिका है। वे बिना किसी फीस के बच्चों को इसका प्रशिक्षण दे रहे हैं। राज्य में मल्लखंभ को बढ़ावा देने के लिए 'झारखंड राज्य स्तरीय मल्लखंभ प्रतियोगिता' का नियमित आयोजन किया जाता है, जहाँ सब-जूनियर से लेकर सीनियर वर्ग तक के खिलाड़ी अपना दम-खम दिखाते हैं। हजारीबाग में भारतीय पारंपरिक खेल मल्लखंभ को बढ़ावा देने और छात्रों को इससे जोड़ने के लिए विशेष कार्यशालाओं और प्रदर्शनों का आयोजन किया जा चुका है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में 'फिट इंडिया' कार्यक्रम के तहत मल्लखंभ पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस दौरान मल्लखंभ के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित उदय देशपांडे के नेतृत्व में छात्रों और बीएसएफ के जवानों को इस प्राचीन खेल का प्रशिक्षण और प्रदर्शन दिखाया गया था। 2024 में पद्म श्री से सम्मानित देशपांडे कहते हैं, 'मल्लखंभ में शरीर ही आपका साधन होता है।' मल्लखंभ में खिलाड़ी को अपने पूरे शरीर को गुरुत्वाकर्षण के खिलाफ ऊपर खींचना पड़ता है। यह न केवल शारीरिक रूप से कठिन है, बल्कि दर्दनाक भी होता है। पद्म श्री से सम्मानित मल्लखंभ गुरु बताते हैं कि इसमें शरीर की ऐसी मांसपेशियों का इस्तेमाल होता है, जिनका हम आमतौर पर उपयोग ही नहीं करते, जैसे पैर की उंगलियां, जांघे और कोर। इसमें डर और दर्द दोनों पर काबू पाना पड़ता है। इसे सही तरीके से सीखने में सालों लग जाते हैं। इसे सीखने का एक ही तरीका है, इसे दिल से पसंद करना।

दिलचस्प बात यह है कि जहां भारत में यह खेल पहचान के लिए जूझ रहा है, वहीं विदेशों में इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। देशपांडे अमेरिका, जर्मनी, वियतनाम, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों में वर्कशॉप ले चुके है। हाल ही में उन्होंने अमेरिका में 35 वर्कशॉप आयोजित किए। शिवाजी पार्क में हर दिन छोटे-छोटे बच्चे इस खेल को सीखते नजर आते हैं। 2022 में गुजरात में आयोजित 36वें नेशनल गेम्स राष्ट्रीय खेलों में मल्लखंब को आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया। वडोदरा के 10 वर्षीय शौर्यजीत ने नेशनल गेम्स में सबसे कम उम्र के मल्लखंब खिलाड़ी के रूप में भाग लिया और अपने बेहतरीन करतबों से राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरीं। वडोदरा की मल्लखंब अकादमियों (जैसे जय कुबेर मल्लखंब स्पोर्ट्स एकेडमी) के कोच और खिलाडियों ने नीदरलैंड और जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों में भी इस प्राचीन कला का प्रदर्शन कर इसे वैश्विक मंच दिया है। मल्लखंभ भारत की गौरवशाली विरासत का हिस्सा है, लेकिन इसे वैश्विक स्तर पर आधिकारिक मान्यता और राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए अभी भी संघर्ष करना पड़ रहा है। 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में एक प्रदर्शन खेल के रूप में लोग देख सकें। भारतीय जड़ों वाला यह खेल अब दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रहा है, मल्लखंभ के कलाकार भी दावा करते हैं कि इसमें उत्कृष्टता अन्य खेलों में प्रगति और सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। **-कुमार कृष्णन -विनायक फीचर्स**

कश्मीर में गूंजते मंत्र और भाईचारे का संदेश

- महेन्द्र तिवारी

कश्मीर को सदियों से विविध संस्कृतियों, परंपराओं और आस्थाओं की साझा भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। यहाँ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक सुंदरता से नहीं, बल्कि उस सामाजिक ताने-बाने से भी रही है जिसमें अलग-अलग समुदायों ने लंबे समय तक एक साथ जीवन बिताया। कश्मीरी पंडित और मुसलमानों के बीच पीढ़ियों से विकसित हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंध इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषताओं में रहे हैं। हालांकि 1989 और 1990 के उथल-पुथल भरे दौर ने इस साझा जीवन को गहरी चोट पहुँचाई। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर देश के विभिन्न भागों में विस्थापित जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस दौर की पीड़ा आज भी हजारों परिवारों की स्मृतियों में जीवित है। ऐसे समय में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के मुर्रान गाँव से आई एक खबर ने अनेक लोगों के मन में आशा का संचार किया है। लगभग 36 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कश्मीरी पंडित अपनी कुलदेवी के मंदिर में हवन और पूजा-अर्चना के लिए लौटे और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उनका स्वागत कर भाईचारे का संदेश दिया।

यह घटना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं थी, बल्कि यह उन भावनाओं का संगम थी जो दशकों से लोगों के भीतर कहीं दबकर रह गई थीं। जब वर्षों पहले अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग वापस अपने गाँव पहुँचे तो उनके सामने केवल मंदिर नहीं था, बल्कि उनकी स्मृतियाँ थीं, उनका बचपन था, उनके पूर्वजों की यादें थीं और वे रिश्ते थे जो समय और दूरी के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए थे। अनेक परिवारों के लिए यह यात्रा अतीत और वर्तमान के बीच एक भावनात्मक पुल बन गई। जिन गलियों में उन्होंने बचपन बिताया था, जिन घरों के आँगनों में खेला था और जिन पड़ोसियों के साथ जीवन के सुख-दुख साझा किए थे, उन सबको फिर से देखना उनके लिए अत्यंत भावुक अनुभव रहा। मुर्रान गाँव उन स्थानों में से एक है जहाँ कभी कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों का जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ था। दोनों समुदाय सामाजिक अवसरों, पारिवारिक आयोजनों और स्थानीय परंपराओं में सहभागिता करते थे। लेकिन 1989-90 के दौरान बढ़ी हिंसा और असुरक्षा की परिस्थितियों ने इस सामाजिक संतुलन को तोड़ दिया। बड़ी संख्या में पंडित परिवारों ने अपने घर, जमीन, व्यवसाय और सामाजिक परिवेश को छोड़कर पलायन किया। विस्थापन केवल भौगोलिक परिवर्तन नहीं होता, वह व्यक्ति की पहचान, स्मृतियों और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। इसलिए जब कोई परिवार दशकों बाद अपने मूल स्थान पर लौटता है तो वह केवल एक जगह पर नहीं लौटता, बल्कि अपनी जड़ों और इतिहास से पुनः जुड़ने का प्रयास करता है।

मुर्रान में आयोजित पूजा-अर्चना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भागीदारी रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर की सफाई, व्यवस्था और आयोजन की तैयारियों में सहयोग दिया। उन्होंने लौटकर आए कश्मीरी पंडितों का स्वागत किया और उनके साथ संवाद स्थापित किया। यह सहयोग केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि उसमें उन पुराने रिश्तों की झलक दिखाई दी जो कभी इस क्षेत्र की सामान्य सामाजिक वास्तविकता हुआ करते थे। जब विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के धार्मिक ल्ला सांस्कृतिक आयोजनों का सम्मान करते हैं, तब समाज में विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। मुर्रान की घटना इसी विश्वास की पुनर्स्थापना का संकेत देती है। कई लौटे हुए परिवारों ने अपने पुराने पड़ोसियों से मुलाकात की। वर्षों बाद हुए इन मिलनों में भावनाएँ स्वाभाविक रूप से उमड़ पड़ीं। कुछ लोगों ने उन दिनों को याद किया जब पूरा गाँव एक परिवार की तरह रहता था। कुछ ने अपने उन मित्रों को याद किया जिनके साथ उन्होंने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए थे। ऐसे अवसर यह दिखाते हैं कि राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवीय रिश्तों की स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं। यही स्मृतियाँ भविष्य में नए विश्वास का आधार भी बन सकती हैं। इस घटना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पुलवामा का नाम पिछले कई वर्षों तक आतंकवाद, हिंसा और तनाव से जुड़ी खबरों में प्रमुखता से आता रहा है। देश और दुनिया के अनेक लोगों के मन में पुलवामा की पहचान संघर्ष और अस्थिरता से जुड़ी रही है। ऐसे क्षेत्र से भाईचारे, सहयोग और सामाजिक सौहार्द की खबर सामने आना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। यह बताता है कि किसी भी क्षेत्र की वास्तविकता केवल संघर्ष तक सीमित नहीं होती। वहाँ रहने वाले सामान्य लोग शांति, सम्मान और बेहतर भविष्य की आकांक्षा रखते हैं। मुर्रान की घटना इसी आकांक्षा का सार्वजनिक रूप से प्रकट होना है। कश्मीर का इतिहास साझा सांस्कृतिक विरासत का इतिहास रहा है। यहाँ विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित किया है। साहित्य, संगीत, भाषा, खानपान और सामाजिक व्यवहार में इस साझा विरासत की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों के बीच संबंध केवल पड़ोसी समुदायों के संबंध नहीं थे, बल्कि वे एक साझा सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा भी थे। विस्थापन के कारण इस पहचान को गंभीर क्षति पहुँची। इसलिए जब कोई धार्मिक आयोजन दोनों समुदायों को एक मंच पर लाता है तो वह केवल वर्तमान का नहीं, बल्कि उस साझा इतिहास का भी स्मरण कराता है जिसने कश्मीर की विशिष्ट पहचान को जन्म दिया था।

हालाँकि इस सकारात्मक घटना के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। कश्मीरी पंडितों की स्थायी और सम्मानजनक घर-वापसी का मुद्दा आज भी पूरी तरह हल नहीं हुआ है। हजारों परिवार अभी भी घाटी से बाहर रहते हैं। अनेक लोगों के सामने सुरक्षा, रोजगार, आवास और संपत्ति से जुड़े प्रश्न मौजूद हैं। कई परिवारों की नई पीढ़ियाँ उन स्थानों से दूर बड़ी हुई हैं जहाँ उनके पूर्वज रहते थे। उनके लिए वापसी का प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है। इसलिए यदि व्यापक स्तर पर पुनर्वास की प्रक्रिया को सफल बनाना है तो उसके लिए दीर्घकालिक और ठोस नीतिगत प्रयास आवश्यक होंगे। सुरक्षा की भावना किसी भी पुनर्वास प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है। जो परिवार कभी असुरक्षा के कारण अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए थे, उनके मन में स्वाभाविक रूप से अनेक आशंकाएँ मौजूद हो सकती हैं। ऐसे में केवल सरकारी व्यवस्थाएँ ही नहीं, बल्कि स्थानीय समाज का सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुर्रान में स्थानीय मुस्लिम समुदाय द्वारा प्रदर्शित सद्भाव इसी संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। जब पड़ोसी समुदाय स्वयं आगे बढ़कर विश्वास और स्वागत का संदेश देता है, तब पुनर्वास की संभावनाएँ अधिक मजबूत होती हैं।

रोजगार और आर्थिक अवसर भी वापसी के प्रश्न से जुड़े हुए हैं। यदि किसी परिवार को अपने पैतृक स्थान पर लौटना है तो उसे सम्मानजनक जीवनयापन के साधनों की आवश्यकता होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाएँ और आर्थिक अवसर किसी भी स्थायी पुनर्वास के अनिवार्य घटक हैं। इसलिए केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं हो सकती। सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ विकास और अवसरों का वातावरण भी आवश्यक है। मुर्रान की घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसने संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया है। लंबे समय तक चले संघर्ष और अविश्वास के बाद समाज में विश्वास का पुनर्निर्माण एक धीमी प्रक्रिया होती है। यह प्रक्रिया छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़ती है। किसी मंदिर में आयोजित पूजा, किसी पुराने पड़ोसी से मुलाकात, किसी साझा स्मृति का पुनर्स्मरण या किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता जैसे प्रयास समाज को धीरे-धीरे निकट लाने का कार्य करते हैं। संवाद की यही प्रक्रिया भविष्य में अधिक व्यापक सामाजिक मेल-मिलाप का आधार बन सकती है। शांति और सद्भाव की खबरें अक्सर संघर्ष और हिंसा की खबरों जितनी चर्चा नहीं पातीं, जबकि समाजों के पुनर्निर्माण में ऐसे सकारात्मक उदाहरणों का महत्व अत्यंत अधिक होता है। मुर्रान की घटना यह दर्शाती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोगों के भीतर सहअस्तित्व और सम्मान की भावना जीवित रह सकती है। यह भावना ही किसी समाज को आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है। कश्मीरी पंडितों की वापसी का प्रश्न केवल एक समुदाय का प्रश्न नहीं है। यह कश्मीर की बहुलतावादी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। जब विभिन्न समुदाय सम्मान और सुरक्षा के साथ एक ही समाज में रहते हैं, तभी उस समाज की विविधता और समृद्धि बनी रहती है। इसलिए कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी को केवल पुनर्वास की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि कश्मीर की सांस्कृतिक पूर्णता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भी देखा जा सकता है।

पानी की मांग जायज है, लेकिन किसी अधिकारी का मूल्यांकन उसकी जाति से नहीं, उसके कार्यों से होना चाहिए

-प्रियंका सौरभ

हरियाणा के हांसी क्षेत्र के चैनत गाँव में पानी की समस्या को लेकर चल रहा आंदोलन एक महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक प्रश्न को सामने लाता है। किसी भी नागरिक समाज में पीने के पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को सड़क पर उतरना पड़े, यह अपने आप में शासन व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसलिए चैनत के ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्या को लेकर आवाज उठाना पूरी तरह न्यायसंगत और लोकतांत्रिक अधिकारों के अनुरूप है। किंतु इसी आंदोलन के दौरान कुछ ऐसी टिप्पणियाँ सामने आईं, जिनमें एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के प्रति व्यक्तिगत और जातिगत आधार पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। यह स्थिति हमें सोचने पर विवश करती है कि क्या किसी जायज मांग को मनवाने के लिए सामाजिक मयार्दा और संवैधानिक मूल्यों की सीमाएँ लांघी जा सकती हैं?

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक अवसरों पर स्पष्ट किया है कि जीवन के अधिकार में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी शामिल है। यदि किसी गाँव में लोग पर्याप्त पानी से वंचित हैं, तो यह केवल एक स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का विषय है। ग्रामीणों की पीड़ा वास्तविक है और उसका समाधान करना सरकार तथा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जल संकट केवल असुविधा नहीं पैदा करता, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। महिलाओं और बच्चों को अक्सर पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता है, जिससे उनकी दिनचर्या और अवसर प्रभावित होते हैं।

भारत जैसे देश में जल संकट की समस्या नई नहीं है। बढ़ती जनसंख्या, भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन, वर्षा के असमान वितरण, जल स्रोतों के संरक्षण की कमी और अव्यवस्थित शहरीकरण ने अनेक क्षेत्रों में जल संकट को गंभीर बनाया है। हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य में यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है क्योंकि कृषि, घरेलू उपयोग और औद्योगिक आवश्यकताओं के बीच जल संसाधनों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में यदि किसी गाँव के लोग अपनी समस्या को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, तो उनकी बात सुनना और समाधान निकालना प्रशासन का दायित्व है। लोकतंत्र में विरोध और आंदोलन नागरिकों का वैध अधिकार है। जब जनता को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, तब वे ज्ञापन देते हैं, धरना-प्रदर्शन करते हैं और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हैं। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक स्वस्थ प्रक्रिया है। लेकिन लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं है, यह जिम्मेदारियों का भी नाम है। विरोध का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सामाजिक मयार्दा और पारस्परिक सम्मान बनाए रखना। यदि आंदोलन के दौरान भाषा की गरिमा समाप्त हो जाए और व्यक्तिगत या जातिगत टिप्पणियाँ होने लगें, तो आंदोलन का नैतिक आधार कमजोर पड़ जाता है।

किसी अधिकारी, जनप्रतिनिधि या सार्वजनिक व्यक्ति की आलोचना करना लोकतंत्र का हिस्सा है। लेकिन आलोचना का आधार उसके निर्णय, कार्यशैली और नीतियाँ होनी चाहिए। जब आलोचना व्यक्ति की जाति, पहनावे, भाषा या सामाजिक पृष्ठभूमि पर केंद्रित हो जाती है, तब वह लोकतांत्रिक विमर्श नहीं रह जाती, बल्कि पूर्वाग्रह और भेदभाव का रूप ले लेती है। यह स्थिति न केवल संबंधित व्यक्ति को आहत करती है, बल्कि समाज में विभाजन और अविश्वास को भी बढ़ावा देती है। भारतीय संविधान की मूल भावना समानता पर आधारित है। संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जहाँ किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, धर्म, भाषा या जन्म के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी योग्यता और कर्म के आधार पर किया जाए। इसी उद्देश्य से संविधान में समानता का अधिकार दिया गया तथा अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए। इसके बावजूद आज भी समाज के अनेक हिस्सों में जातिगत सोच और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। जब किसी अधिकारी या व्यक्ति के बारे में उसकी जाति के आधार पर टिप्पणी की जाती है, तो यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं होता, बल्कि संविधान की मूल भावना का भी अनादर होता है। यह समझना आवश्यक है कि किसी भी प्रशासनिक पद तक पहुँचने के पीछे वर्षों का कठिन परिश्रम और संघर्ष होता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा या अन्य उच्च पदों पर चयनित होने वाले अधिकारी लंबी प्रतियोगी प्रक्रिया से गुजरते हैं। वे कठिन परीक्षाएँ उत्तीर्ण करते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और सार्वजनिक सेवा के लिए स्वयं को तैयार करते हैं। इसलिए किसी अधिकारी का मूल्यांकन उसके सामाजिक या जातिगत परिचय से नहीं, बल्कि उसके कार्य और प्रदर्शन से होना चाहिए।

सार्वजनिक जीवन में गरिमा का महत्व अत्यंत बड़ा है। यदि समाज में यह प्रवृत्ति बढ़ने लगे कि किसी व्यक्ति की आलोचना उसके जन्मगत आधारों पर की जाए, तो इससे लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी सार्वजनिक जीवन में आने से हिचक सकते हैं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी कमजोर पड़ सकता है। यह भी उतना ही सत्य है कि प्रशासन को जनता की भावनाओं और समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। कई बार समस्याओं के समाधान में देरी या संवाद की कमी के कारण लोगों में असंतोष बढ़ता है। इसलिए प्रशासन की जिम्मेदारी केवल आदेश जारी करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे लोगों से संवाद स्थापित करना चाहिए, उनकी शिकायतों को सुनना चाहिए और समाधान की दिशा में पारदर्शी प्रयास करने चाहिए। यदि ग्रामीणों को यह महसूस होगा कि उनकी बात सुनी जा रही है और समाधान के लिए ईमानदार प्रयास हो रहे हैं, तो तनाव और टकराव की स्थिति भी कम होगी। चैनत के मामले में भी आवश्यक है कि प्रशासन और ग्रामीण आमने-सामने खड़े होने के बजाय संवाद की प्रक्रिया को मजबूत करें। जल संकट जैसी समस्या का समाधान केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकल सकता। इसके लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीकी योजना और सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता है। तत्काल राहत के रूप में जल टैंकरों की व्यवस्था, अतिरिक्त जल आपूर्ति और अस्थायी समाधान किए जा सकते हैं। लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए जल स्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार, जल भंडारण क्षमता में वृद्धि और भूजल पुनर्भरण जैसे उपाय आवश्यक हैं।

ग्रामीण समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। समाज को भी जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन और स्थानीय जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यदि समुदाय और प्रशासन मिलकर काम करें, तो जल संकट जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव है।

शिक्षा और सामाजिक जागरूकता भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और मीडिया को ऐसी सोच विकसित करनी चाहिए जो समानता, सम्मान और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा दे। जातिगत पूर्वाग्रहों को समाप्त करने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए सामाजिक चेतना का विकास भी आवश्यक है। जब तक समाज के भीतर मानसिक परिवर्तन नहीं होगा, तब तक समानता के संवैधानिक आदर्श पूरी तरह साकार नहीं हो पाएंगे। यदि किसी सार्वजनिक मंच पर जातिगत या अपमानजनक टिप्पणी की गई है, तो उसका समाधान भी संवैधानिक और कानूनी दायरे में होना चाहिए। लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार के भेदभावपूर्ण या अपमानजनक व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी घटनाओं का उपयोग मूल समस्या से ध्यान भटकाने के लिए न हो। पानी का संकट वास्तविक है और उसका समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि चैनत के आंदोलन को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। आंदोलन का लक्ष्य पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि किसी व्यक्ति या समुदाय के प्रति घृणा का वातावरण बनाना। ग्रामीणों की मांग जायज है और उन्हें न्याय मिलना चाहिए। वहीं सामाजिक मयार्दा और संवैधानिक मूल्यों का पालन भी उतना ही आवश्यक है।

अंततः चैनत की घटना हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देती है। लोकतंत्र में अधिकारों की रक्षा और सामाजिक सम्मान, दोनों साथ-साथ चलते हैं। नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवाज उठाने का पूरा अधिकार है, लेकिन यह आवाज ऐसी होनी चाहिए जो संवाद और समाधान का मार्ग प्रशस्त करे, न कि विभाजन और वैमनस्य का। पानी हर नागरिक का अधिकार है और सम्मान हर व्यक्ति की गरिमा का आधार। यदि हम इन दोनों मूल्यों की रक्षा कर सकें, तभी हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर पाएंगे जो न्यायपूर्ण, संवेदनशील और वास्तव में लोकतांत्रिक हो। पानी की समस्या का समाधान प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन जातिवाद का समाधान पूरे समाज की जिम्मेदारी है। यही चैनत की घटना का सबसे बड़ा सबक है।

युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इजराइल पर लगाम जरूरी

अमेरिका -ईरान के मध्य फिलहाल युद्धविराम हो चुका है। घोर अविश्वास के बीच हुआ यह युद्ध विराम कब तक चलेगा कुछ कहा नहीं जा सकता। परन्तु ईमानदाराना युद्ध विराम लागू होने की स्थिति में हारमूज स्ट्रेट जलमार्ग के खुलने से पूरे विश्व पर मंडराने वाले संकट के बादल छंटने से पूरी दुनिया जरूर राहत की सांस लेगी। हाँ यदि कोई एक देश इस युद्ध विराम व शांति से खुश नहीं है वह है इकलौता देश इस्राईल। इस्राईल विगत लगभग 50 वर्षों से फिलिस्तीन व लेबनान क्षेत्र में रक्तपात करता आ रहा है। अब तक लाखों बेगुनाह लोगों की हत्यायें कर चुका इस्राईल मात्र अपनी सीमाओं के विस्तार के लिये रक्तपात करता आ रहा है। निश्चित रूप से इस्राईल की इस आक्रामकता के पीछे शुरू से ही अमेरिका व अन्य कई पश्चिमी देशों का संरक्षण मुख्य कारण रहा है। परन्तु अब अमेरिका भी इस्राइल विशेषकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अनियंत्रित आक्रामकता से तंग आ चुका है। गजा नरसंहार के चलते अंतर्राष्ट्रीय अदालत के वारंट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री नेतन्याहू अब अपने 'संरक्षक' अमेरिका से भी आये दिन झिड़कियां खा रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि केवल अमेरिका की सरपरस्ती के चलते परन्तु अमेरिका की इच्छा के विपरीत इस्राइल अनेक बार लेबनान व गजा में युद्ध विराम का उललंघन करता आ रहा है। इसकी वजह से कई बार शांति की संभावनाओं को पलीता लग चुका है। अमेरिका के राजनैतिक हल्कों में इस बात की भी चर्चा जोरों पर है कि नेतन्याहू ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उकसा व भड़काकर तथा गलत जानकारियां देकर ईरान के साथ युद्ध में झोंक दिया। जिसके परिणामस्वरूप न केवल अमेरिका में इसका भारी विरोध हुआ बल्कि कई उच्चाधिकारी यही कहते हुये इस्तीफा भी दे गये कि वे अमेरिकी हितों की रक्षा के लिये तो युद्ध कर सकते हैं परन्तु इस्राइली हितों के लिये हरगिज नहीं।

यही वजह है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप भी अब इंसानी खून के प्यासे नेतन्याहू की शातिराना चालबाजियों को देर से ही सही, परन्तु भांप चुके हैं। पिछले दिनों

-तनवीर जाफरी

अमेरिका -इस्राईल बनाम ईरान युद्ध में उलझ चुका अमेरिका जब जब इस युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश करता है , तब तब इस्राईल कभी युद्ध विराम का उल्लंघन व अवहेलना कर तो कभी युद्ध विराम को अस्वीकार कर विश्वशांति को धक्का पहुँचाता रहा है। हद तो यह है कि अमेरिका- ईरान के मध्य होने वाली शांति वाताओं से ठीक पहले या उसी दौरान इस्राइल द्वारा कतर की राजधानी दोहा में हमास के वाताकारों के दल को निशाना बनाकर हवाई हमला किया गया। इस हमले में हमास के वाताकारों के 6 सदस्य मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने इस हमले की निंदा करते हुये इसे कतर की सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का खुला उल्लंघन करार दिया था।

और अब इस्राइली युद्धोन्माद इस हद तक पहुँच चुका है कि दुनिया में सबसे अधिक युद्धरत रहने वाला अमेरिका भी इस्राइली आक्रामकता पूर्ण रवैये से तंग आकर नेतन्याहू व इस्राईली आक्रामकता के पक्षधर कट्टरपंथी नेतृत्व को न केवल आइना दिखने लगा है बल्कि उसके लिये ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा है जोकि किसी भी स्वाभिमानी प्रधानमंत्री व उस के देश के लिये शर्म की बात है। इन कड़-वे व तल्ख बयानों के आधार पर कहा जा सकता है कि 2026 में अमेरिका-इस्राईल रिश्ते न केवल ठन्डे पड़ रहे हैं बल्कि दोनों देशों के संबंध इस वक़्त के सबसे खराब दौर से भी गुजर रहे हैं । उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों G-7 समिट के मंच से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू को क्रेजी कहा और दावा किया- मेरे बिना इस्राईल का अस्तित्व नहीं होता । ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा - तुम पागल हो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते?। इसी तरह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गत 18 जून को ईरान-अमेरिका MoU साइन होने के बाद नेतन्याहू व इस्राईल को संबोधित करते हुये कहा कि पूरी दुनिया में अमेरिका तुम्हारा इकलौता दोस्त बचा है, तुम उसी के खिलाफ खड़े हो? वेंस का यह बयान ईरान-अमेरिका डील होने के बावजूद इस्राईल द्वारा लेबनान पर किये गये हमले के सन्दर्भ में था जिससे ईरान-अमेरिका डील पर असर पड़ा था और हारमूज स्ट्रेट खुलने के बाद ईरान द्वारा इसे पुनः बंद करने की घोषणा कर दी गयी थी। अब 20 जून को पुनः ईरान के खातम अल-अंबिया मुख्यालय ने घोषणा की है कि होर्मुज स्ट्रेट को जहाजों के लिए 'बंद' किया जा रहा है। इस घोषणा के पीछे भी दक्षिणी लेबनान में इस्राईल की ओर से 'लगातार युद्धविराम का उल्लंघन' और लेबनान के 'लोगों का क्रूर जनसंहार और विस्थापन' को कारण बताया गया है। गौरतलब है कि इस्राईल के कुछ कट्टरपंथी मंत्रियों ने अमेरिका-ईरान के बीच हुये टङ्कव (संयुक्त समझौता) का खुलकर विरोध किया है और कट्टरपंथियों का नेतृत्व करने वाले नेतन्याहू भी इस समझौते से कतई खुश नहीं हैं । इसी बीच नेतन्याहू के लिये एक बार फिर बुरी खबर आ रही है। उनपर उनके अपने ही देश में भ्रष्टाचार के मामले को लेकर जेल जाने के तो आसार नजर आ ही रहे हैं साथ ही पांच नॉर्डिक देशों, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन ने भी संकेत दिया है कि उन्हें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य के तौर पर नेतन्याहू के विरुद्ध जारी क्ळ्उ के अरेस्ट वारंट पर कार्रवाई करनी होगी। क्ळ्उ ने नवंबर 2024 में गजा संघर्ष से जुड़े कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए इस्राईल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के लिए वारंट जारी किए थे। नॉर्वे ने तो साफ तौर पर कहा है कि अगर कोई वॉन्टेड व्यक्ति देश में आता है तो उसे अपने कानून का पालन करना होगा। परन्तु इन बातों से बेफिक्र नजर आ रहा नेतन्याहू व इस्राइल किस हद तक अनियंत्रित हो गया है कि 1948 में इस्राईल की स्थापना के बाद उसे मान्यता देने वाला पहला देश अमेरिका, जिसके साथ शुरू से ही उसके गहरे रिश्ते रहे,आज वही अमेरिका इस्राइल की आक्रामकता व गैर कानूनी सैन्य कार्रवाइयों से इतना दुखी हो गया है कि दोनों देशों के संबंधों में इतिहास में पहली बार कड़वाहट पैदा होती दिखाई दे रही है लिहाजा मानवता की रक्षा के लिये किसी भी कीमत पर और यथा शीघ्र युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इजराइल पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है।

विश्व योग दिवस पर केसीएन क्लब महिला शाखा मीरा सृजन द्वारा किया गया योगाभ्यास

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर नगर स्तिथ जयश्री अपार्टमेंट में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब की महिला शाखा मीरा सृजन द्वारा रविवार 21 जून 2026 को विश्व योग दिवस पर योगाभ्यास व महिलाओं को सुरक्षा की सलाह व क्रीड़ा स्पर्धा आयोजित की गई। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा महिला सुरक्षा के नियम सहित खेलकूद में व्यायाम आदि विषयों पर विधिवत चर्चा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य टीवीएम स्कूल व केसीएन क्लब कोंकण मण्डल अध्यक्ष मनीषा विलास पिम्पले ने किया कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य व केसीएन क्लब उपाध्यक्ष महिला मंडल नीता श्रीधर राऊत उपस्थित हुई। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन केसीएन क्लब महिला शाखा की सचिव व शिक्षिका दीपिका पाण्डेय ने किया, कार्यक्रम में क्लब की अनेक महिलाओं ने ऑनलाइन भी जुड़कर योग किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, जयन्ती महतो, मनीषा यादव, खुशबू यादव, नूतन रस्तोगी, निवेदिता, अस्मिता, मुरलीधर मिश्र, शिक्षक माणिकराव कोकने, प्यारेलाल पाटील, ज्योति पिम्पले अश्विनी जोशी आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संगठन की महासचिव नन्दिनी मिश्र ने सभी का आभार प्रकट करते हुए सभी के लिए अल्पाहार व्यवस्था की साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

भायंदर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर योग गुरुओं का सम्मान

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर पश्चिम स्थित कृष्णा बैंक्वेट हॉल में राजस्थानी जन जागरण सेवा संस्था द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न योग गुरुओं का सम्मान कर योग के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के संरक्षक एवं सभागृह नेता रवि व्यास ने अपने संबोधन में योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। इस अवसर पर योग गुरु आर.एल. शुक्ला, विनोद गांधी तथा किम दोशी ने योग के विभिन्न प्रयोगों और उनके लाभों की जानकारी दी तथा उपस्थित लोगों को योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ पत्रकार एवं मंच संचालक देवेंद्र पोरवाल ने योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज योग विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन चुका है। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष गजेंद्र भंडारी एवं महासचिव ओमप्रकाश कावडिया ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अशोक शर्मा 'राजस्थानी' ने किया।

भाजी मार्केट-धामणकर नाका से तेलीपाड़ा मार्ग का भाजी मार्केट सेवा संघ के सहयोग से सुमित पाटिल ने किया भूमिपूजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल के आशीर्वाद तथा नगरसेवक सुमित पाटिल के प्रयासों से भाजी मार्केट, धामणकर नाका से तेलीपाड़ा तक फ्ळ्उ सड़क एवं नाला निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। भाजी मार्केट क्षेत्र में लंबे समय से सड़क, नाले और जलनिकासी की समस्या बनी हुई थी। बारिश के दौरान बड़ी मात्रा में पानी जमा होने से व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को लेकर भाजी मार्केट व्यापारी संघ और क्षेत्र के नागरिकों ने नगरसेवक सुमित पाटिल तथा कपिल पाटिल से समाधान की मांग की थी ।मांग पर संज्ञान लेते हुए कपिल पाटिल ने अपने निधि से 15 लाख रुपये मंजूर कर फ्ळ्उ सड़क और नाला निर्माण कार्य को स्वीकृति दिलाई। इसके बाद भाजी मार्केट व्यापारी सेवा संघ के पदाधिकारियों और व्यापारियों की उपस्थिति में नगरसेवक सुमित पाटिल के हाथों भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सुमित पाटिल ने कहा कि निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कर नागरिकों और व्यापारियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाई जाएगी। स्थानीय लोगों ने इस विकास कार्य के लिए कपिल पाटिल और सुमित पाटिल का आभार व्यक्त किया।

कॅरियर में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए डब्लूपीयू गोवा ने उच्च शिक्षा में कई विषयों की जानकारी होने की वकालत की

मुंबई/पटना। जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य दुनिया भर के उद्योगों को नया आकार दे रहे हैं, विश्वविद्यालयों को छात्रों को सिर्फ उनकी पहली नौकरी के लिए तैयार करने से आगे सोचना होगा। इसके बजाय संस्थानों को छात्रों को इस तरह सक्षम बनाना चाहिए ताकि वे अपने जीवन में करियर के विभिन्न बदलावों और पड़ावों को सफलतापूर्वक संभाल सकें, ऐसा वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (डब्लूपीयू) गोवा में आयोजित 'ओपन हाउस' में वक्ताओं ने कहा। इस ओपन हाउस का आयोजन 20 जून को हुआ था। इस कार्यक्रम में भविष्य की उच्च शिक्षा और एक बेहद अप्रत्याशित होती दुनिया में विश्वविद्यालयों से बदलती अपेक्षाओं पर चर्चा के लिए भावी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को एक साथ लाया गया।

शिरगांव बीच पर उत्साह के साथ मनाया गया 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम के साथ सैकड़ों लोगों ने किया योगाभ्यास

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। राष्ट्रीय आयुष अभियान, जिला परिषद पालघर के स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 21 जून 2026 को शिरगांव बीच पर 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। समुद्र तट के प्राकृतिक और मनमोहक वातावरण में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योग का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

कार्यक्रम में पालघर की जिलाधिकारी इंदुराणी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला क्रीड़ा अधिकारी सुहास वनमाने, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, जिला आयुष अधिकारी डॉ. श्रीकांत कुलकर्णी, डॉ. अजय ठाकरे, आरएमओ डॉ. योगेश सुरालकर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक भक्ति चोथे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ₹ ङ्कँ ङ्क१ डल्ली एं१ ३, डल्ली ल्ठीं’ ३₹ (एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य) रखी गई थी। कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ समाज और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली का संदेश दिया गया। योग प्रशिक्षक हर्षदा घरत ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा आयुर्वेद की दिनचर्या और ऋतुचर्या के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नियमित योगाभ्यास के लाभ बताते हुए कहा कि योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। समापन अवसर पर जिलाधिकारी इंदुराणी जाखड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की एक संपूर्ण जीवनशैली है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ समाज निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। शिरगांव बीच के प्राकृतिक वातावरण में संपन्न इस आयोजन ने योग के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण का संदेश प्रभावी ढंग से प्रसारित किया।

नीट परीक्षा के लिए भिवंडी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों के बाहर भारी पुलिस बंदोबस्त

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले के बाद देशभर में मचे विवाद के बीच शनिवार को आयोजित पुनर्परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। भिवंडी शहर के पांच परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बाद केंद्रों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू की गई है। परीक्षार्थियों और संबंधित कर्मचारियों की गहन जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि 3 मई को आयोजित नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद पूरे देश में विवाद खड़ा हो गया था। इसके बाद करीब 23 लाख विद्यार्थियों के लिए पुनर्परीक्षा आयोजित की जा रही है, जिसके चलते इस बार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

पालघर में 23 जून को मनाया जायेगा एकल महिला दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के निदेर्शानुसार पालघर जिला परिषद के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 23 जून 2026 को अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस के अवसर पर जिलेभर में ह्यएकल महिला दिवसह्व मनाया जायेगा। यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक रूप से आयोजित किया जायेगा, जिसका उद्देश्य एकल महिलाओं को सम्मान, अधिकार और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है।

जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे (भा.प्र.से.) द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि कार्यक्रम में ह्ल विधवा ह्व शब्द के स्थान पर ह्ल एकल महिला ह्व शब्द का उपयोग किया जाये तथा संबंधित महिलाओं को सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाये। कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा का पूजन कर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उनके योगदान की जानकारी दी जायेगी। साथ ही उपस्थित एकल महिलाओं की शासकीय दस्तावेजों, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, आवास योजना एवं अन्य समस्याओं की जानकारी लेकर ह्यआपले सरकारह्व पोर्टल के माध्यम से उनके समाधान के प्रयास किये जायेंगे। इसके अलावा महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार तथा स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लिए मार्गदर्शन दिया जायेगा ।सामाजिक रूढ़ियों और परंपराओं के कारण होने वाले भेदभाव एवं अपमानजनक व्यवहार के विरुद्ध ग्रामसभाओं में प्रस्ताव पारित करने की दिशा में भी पहल की जायेगी।

राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित एकल महिला नीति के लिए महिलाओं के सुझाव, अपेक्षाएं और विचार भी एकत्रित किये जायेंगे। साथ ही ग्राम स्तर पर एकल महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सर्वेक्षण कर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने की कार्यवाही की जायेगी। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए आंगनवाड़ी सेविकाएं, आशा कार्यकर्ता, महिला बचत समूह तथा अन्य विभागीय तंत्रों का सहयोग लिया जायेगा। कार्यक्रम के उपरांत ग्राम पंचायतों को संक्षिप्त प्रतिवेदन, छायाचित्र एवं प्राप्त सुझाव जिला स्तर पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गये हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार यह पहल राज्य की सभी महानगरपालिकाओं, नगरपालिकाओं, नगर पंचायतों और ग्राम पंचायतों में लागू की जा रही है। पालघर जिले में इस अभियान से एकल महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण मदद मिलने की उम्मीद है।

पालघर जिले में यूरिया खाद का पर्याप्त भंडार, खरीफ सीजन के लिए आपूर्ति सुचारु रूप से जारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। खरीफ सीजन 2026-27 के मद्देनजर किसानों द्वारा बीज एवं उर्वरकों की खरीद शुरू हो चुकी है। इस बीच कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि पालघर जिले में यूरिया खाद का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और किसानों को खाद की किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जायेगी। हालांकि अब तक पर्याप्त बारिश नहीं होने से बुवाई में देरी हो रही है, फिर भी विभाग खाद आपूर्ति को सुचारु बनाये रखने के लिए लगातार प्रयासरत है।

जिला परिषद कृषि विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जिले में वर्तमान में कुल 4,024.557 मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें 2,921.417 मीट्रिक टन यूरिया, 92.950 मीट्रिक टन डीएपी, 99.899 मीट्रिक टन एमओपी, 639.820 मीट्रिक टन मिश्रित उर्वरक, 235.601 मीट्रिक टन एसएसपी तथा 35.120 मीट्रिक टन अन्य उर्वरक शामिल हैं।

कृषि विभाग के अनुसार राज्य शासन ने पालघर जिले के लिए कुल 15,950 मीट्रिक टन उर्वरक स्वीकृत किया है, जिसमें 12,800 मीट्रिक टन यूरिया शामिल है। 19 जून 2026 तक जिले को 6,005.240 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति प्राप्त हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल माह में 454.365 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हुई, जिसमें से 99.089 मीट्रिक टन की बिक्री हुई। मई में 1,923.480 मीट्रिक टन आपूर्ति के मुकाबले 567.327 मीट्रिक टन बिक्री दर्ज की गई। वहीं जून माह में 3,628.755 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हुई और 2,771.947 मीट्रिक टन की बिक्री की गई। अप्रैल से जून तक कुल 6,006.600 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति तथा 3,438.363 मीट्रिक टन की बिक्री हुई है।

भिवंडी में शिवसेना ठाकरे गुट द्वारा बागी सांसदों के खिलाफ जूते मारो आंदोलन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के कार्यकताओं ने पार्टी के बागी सांसदों के खिलाफ रविवार को भिवंडी में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उपनेता विश्वास थले और ठाणे ग्रामीण जिलाध्यक्ष कुंदन पाटिल के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में शिवसैनिकों ने बागी सांसदों की तस्वीरों पर जूते मारकर अपना रोष व्यक्त किया। इस दौरान जिल्हा सह-संपर्क प्रमुख मनोज गगे, मोहन बल्लाल, राजा पुण्यार्थी, जिल्हा सचिव जय भगत, अरुण पाटिल, महेंद्र कुंभारे, प्रदीप बोडके, गजेंद्र गुलवी, तालुका सचिव सचिन पाटिल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और शिवसैनिक मौजूद रहे। महिला पदाधिकारियों में कविता भगत, वैशाली मेस्त्री, सुनीता पाटिल, कविता म्हात्रे, संगीता जोशी, सविता मांजरेकर और वर्षा पाटिल ने भी आंदोलन में भाग लिया। जिलाध्यक्ष कुंदन पाटिल ने कहा कि निष्ठावान शिवसैनिक गद्दारी को कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बागी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के चेहरे पर नहीं, बल्कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व और शिवसेना के नाम पर चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिवसैनिक ऐसे नेताओं को उनकी राजनीतिक जगह दिखाएंगे।

15 वर्षिय नाबालिक से हैवानियत -दो आरोपी गिरफ्तार

हैवानियत की घटना से पूरे परिसर में नाराजगी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में एक चौंकाने वाली घटना हुई है जिसमें दो लोगों ने एक 15 साल की नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न किया। इस मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस ने अख्तर मनियार और सलीम शेख दोनों को गिरफ्तार किया है। दोनो आरोपियों की उम्र लगभग 60 साल बताया जा रहा है।

यह घटना कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी पुलिस थाने की हद में हुई। यहां एक घर से 15 साल की लड़की के चीखने की आवाज आ रही थी। लड़की के चीखने पर आस-पास रहने वाले लोग जाग गए। जब लोग घर में गए तो देखा कि पूरे घर में खून फैला हुआ था। लोगों ने इसकी जानकारी कोलसेवाड़ी पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची। इस मामले में अभी तक पुलिस की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी बहुत ही चौंकाने वाली है। आरोपियों में अख्तर मनियार और सलीम शेख का नाम सामने आया है। दोनों रात में एक पंद्रह साल की लड़की को घर लाए थे। पता चला है कि घर में उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। कोलसेवाड़ी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कल्याण में घाडीगांवकर मराठा समाज का वार्षिक अधिवेशन व छात्र सम्मान समारोह संपन्न

महेश गायकवाड़ द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को छत्री भेंट

कल्याण (उत्तरशक्ति)। घाडीगांवकर मराठा समाज विकास प्रतिष्ठान, कल्याण द्वारा आयोजित वार्षिक सर्वसाधारण सभा एवं विद्यार्थी गुणगौरव समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अवसर प्राप्त हुआ, जो अत्यंत गौरवपूर्ण रहा।

समाज की प्रगति के लिए कार्यरत संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान करना अत्यंत प्रेरणादायी पहल मानी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्मान चिन्ह प्रदान कर तथा उन्हें छत्रियों का वितरण कर उनके परिश्रम और सफलता का गौरव किया गया। इस अवसर पर महेश गायकवाड़ द्वारा विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित वार्षिक सभा में समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा की गई। समाज में एकता, शैक्षणिक प्रगति तथा युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजनों का विशेष महत्व बताया गया। घाडीगांवकर मराठा समाज विकास प्रतिष्ठान के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सम्मानित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी गई तथा संस्था द्वारा समाज के शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कल्याण में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र के 100 फुट रोड पर भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संकल्प से प्रेरित होकर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन पतंजलि योग ग्रुप तथा अंबिका कुटीर योग एवं ध्यान साधना योग ग्रुप, कल्याण के सहयोग से किया गया। इस दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में नागरिकों, कार्यकताओं एवं विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया।

इस कार्यक्रम में विधायक सुलभा गणपत गायकवाड़, जिला सचिव संजय शेठ गायकवाड़ तथा जिला उपाध्यक्ष संजय बाबुराव मोरे की प्रमुख उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी नाना सूर्यवंशी, सुभाष मस्के, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष अर्चना सूर्यवंशी, मंडल अध्यक्ष संतोष शेलार, विजय उपाध्याय, नितेश म्हात्रे, पांडुरंग भोसले, नगरसेविका मनीषा गायकवाड़, स्नेहल संजय मोरे, इंदिरा तरे तथा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष यशोदा माळी सहित कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग भारत की विश्व को दी गई अमूल्य धरोहर है और स्वस्थ, सशक्त एवं संतुलित जीवन के लिए योग का नियमित अभ्यास आवश्यक है। कार्यक्रम के माध्यम से सभी को योग अपनाने का संदेश दिया गया।

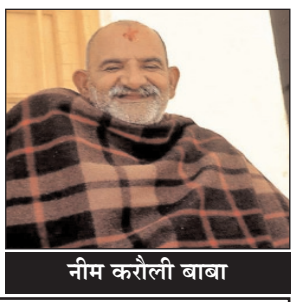

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वस्थ राष्ट्र निर्माण के लिए योग को बनाएं जीवन का हिस्साः गिरीश चंद्र यादव

शाही किले में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, योगमय हुआ जौनपुर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम शाही किला जौनपुर में आयोजित हुआ। यहां पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम हुआ जिसमें मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चन्द्र यादव रहे। इस वर्ष योग दिवस की थीम रही योग फॉर हेल्थी एजिंग (स्वस्थ आयु के लिए योग)। राज्य मंत्री ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग एक व्यायाम नहीं अपितु हमारी सनातनी पद्धति है जो हमारे स्वस्थ जीवन, आत्मानुशासन का आधार है। उन्होंने वर्तमान थीम स्वस्थ आयु के लिए योग विषय के संबंध में कहा कि इसका अर्थ यह है कि योग को हमें अपने दिनचर्या में सम्मिलित कर स्वयं स्वस्थ रहना होगा। जिले के सभी विकासखंडों तथा भारतीय जनता पार्टी के मंडल स्तर तक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के योग दिवस पर कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को भी देखा गया।

उपस्थित सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह राज्य प्रभारी अचल हरिमूर्ति द्वारा कराया गया। उनके साथ मुख्य मंच पर योग प्रशिक्षक विकास यादव और जगदीश यादव रहे। योग

गुरु ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगाभ्यास की शुरूआत हल्के वार्मअप और सूक्ष्म व्यायाम से हुई, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, भुजंगासन, शलभासन, शीर्षासन तथा सूर्य नमस्कार सहित कई महत्वपूर्ण योगासन किए। इसके साथ ही अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी सहित विभिन्न प्राणायाम भी कराए गए। दूसरे सहयोगी मंच पर योग प्रशिक्षक क्षमा सिंह, वंदना साहू, सुप्रिया सिंह समेत अन्य योग प्रशिक्षकों ने मंच के सामने उपस्थित लोगों का अभ्यास कराया। समापन पर योग गुरु अचल हरिमूर्ति ने सभी को नियमित योग करने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और दूसरों को भी योग के प्रति प्रेरित करने की शपथ दिलाई। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल ने सफल कार्यक्रम के लिए पूरी टीम और विशेष रूप से अचल हरिमूर्ति का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एमएलसी बृजेश कुमार सिंह प्रिंसु, भाजपा जिलाध्यक्ष जौनपुर अजीत प्रजापति, भाजपा जिलाध्यक्ष मछलीशहर डा. अजय सिंह, पूर्व गृह राज्यमंत्री महाराष्ट्र सरकार कृपाशंकर सिंह, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर, प्रदीप कुमार पांडेय, मनोज कुमार सिंह, नंदलाल, निलेश, राजन सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, सोनू यादव, वीरेन्द्र यादव सहित जनपद के समस्त विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, योग शिक्षक तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने योग प्रशिक्षकों को पौधा, अंगवस्त्रम से सम्मानित करते हुए पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया गया। सम्मानित होने वाले योग प्रशिक्षकों में योग गुरु अचल हरिमूर्ति, जगदीश यादव, विकास यादव, क्षमा सिंह, सुप्रिया सिंह, वंदना साहू, अमित सिंह एवं शशिभूषण यादव समेत मौके पर उपस्थित सभी योग प्रशिक्षक शामिल रहे।

कार्यक्रम स्थल पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था, जहां जनप्रतिनिधिगण, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने सेल्फी लेकर योग के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आमजन को पौधों का वितरण भी किया गया तथा सभी से अपील की गई कि पौधरोपण के इस महाअभियान से जुड़कर प्रकृति को संरक्षित करने में अपना सहयोग प्रदान करे। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य शिविर, हेल्थ डेस्क, आगंतुकों के लिए पेयजल, फल इत्यादि की व्यवस्था की गई थी। शाही किला प्रांगण के अंदर तथा बाहर सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम के सफल एवं भव्य आयोजन पर जिलाधिकारी ने कार्यक्रम से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा एनसीसी स्वयंसेवकों की सराहना की गई। साथ ही पुलिस विभाग द्वारा किए गए उत्कृष्ट ट्रैफिक एवं यातायात व्यवस्था की भी प्रशंसा की गई।

इसी क्रम में जनपद के समस्त विकास खंडों, ग्राम पंचायतों में भी जनप्रतिनिधिगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में योग शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग कर योगाभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि योग सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 15 जून से 20 जून 2026 तक जनपद स्तर, तहसील स्तर, विकास खंड स्तर एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रमों में लगभग 6,71,370 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इसमें जनपद स्तर पर करीब 20,122, तहसील स्तर पर 53,330, विकास खंड स्तर पर 95,608 तथा ग्राम पंचायत स्तर पर 5,02,310 प्रतिभागियों ने योगाभ्यास किया। यह जनपदवासियों में योग के प्रति बढ़ती जागरूकता एवं जनसहभागिता का प्रतीक है। कार्यक्रम का संचालन प्रीति और नूपुर श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 के अवसर पर उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम Yoga for Healthy Ageing अर्थात स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है। यह थीम जीवन के प्रत्येक चरण में योग के महत्व को रेखांकित करती है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से संतुलित तथा भावनात्मक रूप से सशक्त बनाए रखने में सहायक होता है। योग बढ़ती आयु के साथ होने वाली विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने, शरीर की लचीलापन एवं ऊर्जा बनाए रखने तथा जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. आर. बी. कमल के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने योग को स्वस्थ जीवनशैली का आधार बताते हुए नियमित योगाभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला तथा इससे होने वाले शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। इसके उपरांत उन्होंने

मुख्य योग प्रशिक्षक राज यादव (राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय, जौनपुर), विनीत योगी (पतंजलि परिवार) एवं साक्षी सिंह को योग प्रशिक्षण प्रारंभ करने हेतु आमंत्रित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आयोजित शिविर में उपस्थित चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को योग प्रशिक्षक राज यादव द्वारा विभिन्न योगासन एवं प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान सूर्य नमस्कार, ग्रीवा चालन, कटि चालन, स्कंध चालन, त्रिकोणासन, वज्रासन, चक्रासन, भस्त्रिका प्राणायाम, अनुलोम-विलोम तथा कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास कराया गया तथा इनके स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा स्वयं एवं समाज को स्वस्थ, स्वच्छ एवं खुशहाल बनाने के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का सफल आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अनुज सिंह एवं डॉ मुदित चौहान, के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डीन रिसर्च प्रो. रुचिरा सेठी, प्रो. भारती यादव, प्रो. साधना अजय, डॉ. अरविंद पटेल, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. जितेंद्र, डॉ. चंद्रभान, डॉ. पूजा पाठक, डॉ. अनिल, डॉ. आशुतोष सिंह सहित कर्मचारी सुशील कुमार, चंद्रमणि चौहान, राजन प्रजापति, अभिषेक गुप्ता, सुधीर यादव, जगरोशन चौहान, अरुण यादव, रवि यादव, संदीप यादव एवं अन्य कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन महाविद्यालय प्रशासन, चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता से संपन्न हुआ।

2027 में पीडीए की सरकार बनाकर सामाजिक न्याय का नया अध्याय लिखेंगे अखिलेश यादवः मोहम्मद अरशद खान

आदिवासी, दलित, वंचित और मुसहर समाज के सम्मान, अधिकार और खुशहाली का संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए भवन, कटघरा, जौनपुर में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए मोहम्मद अरशद खान, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अम्बेडकर विचार मंच तथा पूर्व विधायक जौनपुर सदर ने कहा कि भारत की सामाजिक संरचना और इतिहास को समझे बिना सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि इतिहासकारों, समाजशास्त्रियों और विभिन्न विचारधाराओं के विद्वानों के बीच भारत के सामाजिक विकास और जाति व्यवस्था की उत्पत्ति को लेकर अलग-अलग मत हैं, लेकिन यह निर्विवाद सत्य है कि सदियों से समाज के अनेक वर्गों–विशेषकर आदिवासी, दलित, मुसहर, पासी, चमार, धोबी, खनिक, वाल्मीकि तथा अन्य वंचित समुदायों–को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ेपन, भेदभाव और उपेक्षा का सामना करना पड़ा है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज भी मुसहर, आदिवासी, दलित और अन्य वंचित समाज के लाखों परिवार गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, भूमिहीनता और सामाजिक अपमान की समस्याओं से जूझ रहे हैं। देश की प्रगति तब तक अधूरी रहेगी जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) सामाजिक न्याय आंदोलन के माध्यम से वंचित समाज को राजनीतिक भागीदारी, शिक्षा, रोजगार, आरक्षण, सामाजिक सम्मान और आर्थिक अवसर दिलाने का संकल्प लिया है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गरीबों, किसानों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, मुसहरों और अन्य वंचित समुदायों के लिए विशेष योजनाएं चलाई जाएंगी, ताकि उन्हें सम्मानजनक जीवन, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध हो सके।

पीडीए समाज से अपील

मोहम्मद अरशद खान ने मुसहर, आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, श्रमिक और वंचित समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों, सम्मान और बेहतर भविष्य के लिए पीडीए आंदोलन से जुड़ें तथा सामाजिक न्याय, समान अवसर और संविधान की मूल भावना को मजबूत करने के लिए एकजुट हों।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सामाजिक न्याय, सम्मान और भागीदारी का चुनाव होगा। यदि वंचित समाज संगठित होकर अपनी राजनीतिक शक्ति का उपयोग करेगा, तो गरीबी, पिछड़ेपन, बेरोजगारी और सामाजिक अपमान से मुक्ति का मार्ग और अधिक मजबूत होगा।

अंत में उन्होंने कहा कि बाबा साहब बी.आर. अम्बेडकर, शहीद बिरसा मुण्डा, तथा सामाजिक न्याय के महान योद्धाओं के सपनों का भारत तभी बनेगा जब समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः सिगरा स्टेडियम में गूंजा योग का संदेश, सैकड़ों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिगरा स्थित डॉ.

सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार सुबह भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह की ताजगी और उत्साह के बीच स्टेडियम परिसर योग साधकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से खचाखच भरा नजर आया। नगर निगम वाराणसी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर योग को स्वस्थ जीवन का आधार बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल और मंत्रोच्चार के साथ हुआ। आयुष मंत्रालय के मुख्य प्रशिक्षक इदल प्रसाद ने उपस्थित साधकों को योग की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराया। उन्होंने क्रमवार ताड़ासन, अर्धचक्रासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, भुजंगासन, वक्रासन, शलभासन, सेतुबंध आसन तथा अर्धहलासन का अभ्यास कराया। इसके बाद कपालभाति, अनुलोम-विलोम प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से मानसिक एवं शारीरिक संतुलन का महत्व बताया गया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण योग की शुद्धिकरण क्रिया 'धौती वस्त्र' का सजीव प्रदर्शन रहा। प्रशिक्षक इदल प्रसाद ने इस पारंपरिक योग क्रिया का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को योग की गहन और वैज्ञानिक परंपरा से परिचित कराया। इस प्रदर्शन को दर्शकों ने उत्साहपूर्वक सराहा।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से खचाखच भरा नजर आया। नगर निगम वाराणसी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर योग को स्वस्थ जीवन का आधार बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित योग

योग को शामिल करें नियमित दिनचर्या में: कुलपति

जीवन जीने का प्रभावी माध्यम है योगः विकास पंजियार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली मेजर ध्यानचंद इंडोर स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्यस्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योगह्व रहा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मुख्य अतिथि विकास पंजियार, ग्रुप कमांडर, एनसीसी वाराणसी ने कहा कि आज का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, करियर की चिंता, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और मानसिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और अनुशासित जीवन जीने का प्रभावी माध्यम है। योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने योग की महत्ता पर बल देते हुए अपना 15 वर्ष पुराना प्रेरणादायक अनुभव साझा किया कि डॉक्टरों द्वारा दोनों घुटनों के ऑपरेशन की सलाह दिए जाने के बावजूद, केवल नियमित योग के बल पर वे आज तक बिना ऑपरेशन पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने आह्वान किया कि वे शारीरिक कष्टों से बचने और मानसिक प्रसन्नता के लिए योग को अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. शारदा द्विवेदी, इंटरनेशनल फैकल्टी, आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलुरु ने प्रतिभागियों को ध्यान कराया। अपने संबोधन में कहा कि योग केवल आसन नहीं है बल्कि मन की शांति है। उन्होंने बताया कि मानव जीवन केवल शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सात स्तरों पर आधारित एक समग्र अस्तित्व है। इनमें शरीर, श्वास, मन, बुद्धि, स्मृति, अहंकार और चेतना शामिल हैं। इन सभी स्तरों के बीच संतुलन स्थापित होने पर व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ जीवन जी सकता है।

पीयू में मनाया गया 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि कर्नल आलोक सिंह धर्मराज, कमांडिंग ऑफिसर, 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर ने भी संबोधित किया और जीवन में योग के महत्व को रेखांकित किया। योग प्रशिक्षक जय सिंह गुहिलोत ने सभी को प्रोटोकॉल के अनुसार योग कराया। योग दिवस का संयोजन डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह एवं संचालन डॉ. राजेश सिंह ने किया।

इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो मिथिलेश सिंह, डॉ.शेखर सिंह, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ नीतेश जायसवाल, डॉ. पुनीत सिंह, डीआर अजीत प्रताप सिंह, त्रिवेन्द्र सिंह चौहान, कृष्णपाल सिंह, राधे श्याम सिंह मुन्ना, रजनीश सिंह, श्याम श्रीवास्तव समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

किसानों पर नई डीजल नीति का बोझ, कंटेनर कंपनियों को लाभ पहुंचाने का आरोपः अविनाश कुशवाहा

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक/पूर्व जिलाध्यक्ष अविनाश कुशवाहा ने केंद्र सरकार की नई डीजल परिवहन नीति को किसान विरोधी बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि 11 जून 2026 को जारी अधिसूचना के खिलाफ किसानों और आम जनता में भारी आक्रोश है तथा इसके दूरगामी प्रभाव कृषि क्षेत्र के लिए नुकसानदायक साबित होंगे। कुशवाहा ने आरोप लगाया कि सरकार ने खुदरा पेट्रोल पंपों से डीजल ले जाने के लिए विशेष ढएरड-अनुमोदित कंटेनरों को अनिवार्य कर दिया है, जिससे किसान अब साधारण प्लास्टिक गैलन या पारंपरिक ड्रम में डीजल नहीं ले सकेंगे। उनका कहना है कि इस फैसले से बाजार में विशेष कंटेनरों की मांग अचानक बढ़ गई है और 200 लीटर क्षमता तक के कंटेनरों की कीमत 10 हजार रुपये से अधिक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि पहले से ही बढ़ती लागत और कर्ज के बोझ से जूझ रहे किसानों पर यह अतिरिक्त आर्थिक भार डालने जैसा है। इससे केवल उन बड़ी कंपनियों को फायदा होगा जो इन प्रमाणित कंटेनरों का निर्माण करती हैं। सपा नेता ने इसे गरीब और किसान विरोधी नीति बताते हुए कहा कि धान की खेती के पीक सीजन में जारी यह आदेश किसानों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है। समय पर डीजल उपलब्ध न होने से सिंचाई कार्य प्रभावित होगा और फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। अविनाश कुशवाहा ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे वाहनों के इंजन और माइलेज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि एथेनॉल उत्पादन में बड़ी मात्रा में चावल और पानी की खपत होती है, जिससे भविष्य में खाद्य एवं जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। सपा नेता ने मांग की कि खेती और सिंचाई कार्यों के लिए डीजल ले जाने में कंटेनर की अनिवार्यता तत्काल समाप्त की जाए तथा किसानों को पारंपरिक बर्तनों और गैलनों के उपयोग की अनुमति दी जाए। साथ ही उन्होंने इस नीति से लाभान्वित होने वाली कंपनियों और नियम लागू करने के पीछे की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी की।

17 हजार फीट की चुनौतीः फ्रेंडशिप पीक फतह करने निकली बीएचयू टीम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के विश्वविद्यालय पर्वतारोहण केन्द्र का 14 सदस्यीय दल हिमाचल प्रदेश स्थित 17,352 फीट ऊंचे फ्रेंडशिप पीक के आरोहण के लिए रवाना हो गया। कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने दल को हरी झंडी दिखाकर शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षक बलराम यादव और शिवनारायण यादव के नेतृत्व में दल मनाली से अभियान शुरू करेगा। तीन महीने के कठोर प्रशिक्षण के बाद छात्र-छात्राओं का यह दल व्यास कुंड, लेडी लेग और एडवांस बेस कैंप होते हुए फ्रेंडशिप पीक पर अंतिम चढ़ाई करेगा। अभियान दल 30 जून तक वाराणसी लौटेगा।

मैजिक की टक्कर से महिला की मौत, बेटा गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र स्थित देवकली बाजार में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने महिला और उसके बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सीमा देवी (40 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना के बाद मैजिक वाहन चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार चालक और वाहन की तलाश में जुटी हुई है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

नीट–यूजी परीक्षा,17 केंद्रों पर 8905 अभ्यर्थी होंगे शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) का आयोजन आज जनपद के 17 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा में कुल 8905 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को केंद्रों पर प्रवेश से पूर्व बायोमेट्रिक सत्यापन और पहचान पत्रों की जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा। सत्यापन पूर्ण होने के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय सुरक्षा बलों सहित पुलिस बल की तैनाती की है। केंद्रों के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए शहर में सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों को समय से परीक्षा केंद्र पहुंचने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन ने कहा है कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं और संबंधित अधिकारी पूरे समय निगरानी बनाए रखेंगे।

रानपाड़ा, विरार में पाइप गटर निर्माण कार्य का शिलान्यास

विरार। बोलिंज रानपाड़ा, विरार पश्चिम स्थित वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड क्रमांक 33 अंतर्गत विजय अपार्टमेंट से मोरया निवास तक प्रस्तावित पाइप गटर निर्माण कार्य का शिलान्यास नालासोपारा के विधायक राजन नाईक द्वारा उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के माध्यम से क्षेत्र में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को कम करने में सहायता मिलेगी। साथ ही स्वच्छता व्यवस्था एवं मूलभूत नागरिक सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और लोगों के दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाएगी। शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर वरिष्ठ नेता हरेंद्र पाटिल, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, बोर्ड अध्यक्ष विशाल राउत, नगरसेविका सान्वी येंडे, नगरसेवक रवि पुरोहित, गौरव राउत तथा जितेश राउत सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

केराकत बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री पर जानलेवा हमला करने के मामले में मुकदमा दर्ज

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना अंतर्गत ग्राम थानागद्दी में पुरानी रंजिश और जमीनी विवाद को लेकर बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री व वरिष्ठ अधिवक्ता पर जानलेवा हमका करने के मामले में रविवार को कोतवाली थाना पुलिस ने चार नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया। मंगलवार को अधिवक्ता मुकेश शुक्ला के बड़े पिता की तेरही थी वे सबेरे साढ़े 9 बजे बाइक से कुछ सामान लेने केराकत जा रहे थे रास्ते में मनबढ़ और आवारा बदमाशों ने न सिर्फ अधिवक्ता के साथ मारपीट और गाली-गलौज की, बल्कि उनकी मोटरसाइकिल भी तोड़ डाली थी। पीड़ित अधिवक्ता ने उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी और कोतवाल से लिखित शिकायत की थी। थानागद्दी निवासी केराकत तहसील बार के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकेश कुमार शुक्ला तीन बार महामंत्री रह चुके हैं। अधिवक्ता के ऊपर हुए हमले से तहसील बार एसोसिएशन आक्रोशित हो गया था। अधिवक्ताओं ने इस मामले को लेकर गुरुवार को कोतवाली थाने का घेराव भी किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए केराकत कोतवाली पुलिस ने रविवार को आरोपी सुधीर मिश्रा, सुशील मिश्रा, शारदा मिश्रा और संजीव मिश्रा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का उत्साहपूर्ण आयोजन

वसई। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वसई पश्चिम के ओम नगर स्थित समाज मंदिर में योग प्रशिक्षिका सुश्री आशा गुप्ता के मार्गदर्शन में उत्साहपूर्वक योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। इस कार्यक्रम का संयोजन वार्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका श्रीमती निम्मी निपुण दोशी, चारूशिला घरत एवं अंजिता कोली द्वारा किया गया। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों को नियमित योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली तथा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग के लाभों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नगरसेवक प्रदीप पवार, माजी नगरसेवक छोटू आनंद, कल्पेश चव्हाण, मैथ्यू कोलासो, लालजी कनोजिया, कमलेश मौर्य, रुमा शर्मा, जयश्री खुदानी, रौशनी वोरानी सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में सहभागिता करते हुए योग को स्वस्थ, संतुलित एवं सशक्त जीवन का आधार बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री Narendra Modi द्वारा योग को जन-जन तक पहुंचाने के अभियान की सराहना की गई तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के इस सफल आयोजन ने समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और योग के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित किया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला समेत युवक घायल

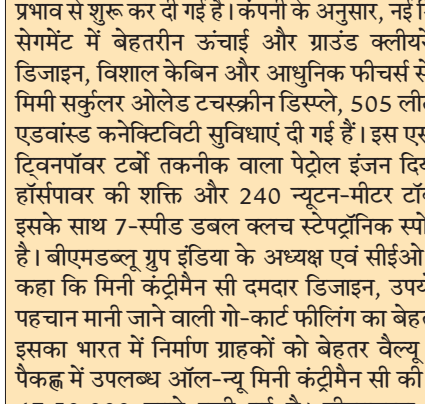

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के चौकियां नईबाजार चौराहे पर रविवार को उस समय सड़क हादसा हो गया जब युवक अपने चाचा के साथ मुंबई जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर था कि तेज रफ्तार बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी,हादसे में महिला समेत युवक घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजू उर्फ पटिल कुमार पुत्र शिवप्रसाद 25वर्ष निवासी चौकियां (रेवतीपुर) अपने चाचा रामप्रसाद पुत्र स्व. बिरजू के साथ मुंबई जाने के लिए नईबाजार चौराहे पर खड़े होकर वाहन की प्रतीक्षा कर रहा था।

इसी दौरान अनिल प्रजापति 27 वर्ष निवासी सिरकोनी बीना प्रजापति पत्नी अनिल प्रजापति 24 वर्ष के साथ बाइक से आजमगढ़ अपने रिश्तेदार के यहां जा रहा था जैसे ही चौकियां नईबाजार पहुंचा कि बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े चाचा-भतीजे को जोरदार टक्कर मारते हुए सड़क के किनारे जा गिरी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी बीना प्रजापति व वाहन की प्रतीक्षा कर रहे राजू उर्फ पटिल घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया,जहां उनका प्राथमिक इलाज कर घर छोड़ दिया गया। वहीं बाइक चालक अनिल प्रजापति और सड़क किनारे खड़े रामप्रसाद बाल-बाल बच गए।

ऑल-न्यू मिनी कंट्रीमैन सी भारत में लॉन्च

रांची। मिनी इंडिया ने ऑल-न्यू मिनी कंट्रीमैन सी को भारत में लॉन्च कर दिया है। लेटेस्ट जनरेशन की यह एसयुवी अब बीएमडब्लू ग्रुप के चेन्नई प्लांट में स्थानीय स्तर पर तैयार की जाएगी। इसकी बुकिंग सभी अधिकृत मिनी डीलरशिप पर शुरू हो चुकी है और डिलीवरी भी तत्काल प्रभाव से शुरू कर दी गई है। कंपनी के अनुसार, नई मिनी कंट्रीमैन सी अपने सेगमेंट में बेहतरीन ऊंचाई और ग्राउंड क्लीयरेंस के साथ दमदार डिजाइन, विशाल केबिन और आधुनिक फीचर्स से लैस है। इसमें 240 मिमी सर्कुलर ओलेड टचस्क्रीन डिस्प्ले, 505 लीटर का बूट स्पेस और एडवांस्ड कनेक्टिविटी सुविधाएं दी गई हैं। इस एसयूवी में लेटेस्ट मिनी ट्विनपॉवर टर्बो तकनीक वाला पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 156 हॉर्सपावर की शक्ति और 240 न्यूटन-मीटर टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके साथ 7-स्पीड डबल क्लच स्टेपट्रॉनिक स्पोर्ट ट्रांसमिशन मिलता है। बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ हरदीप सिंह बरार ने कहा कि मिनी कंट्रीमैन सी दमदार डिजाइन, उपयोगिता और मिनी की पहचान मानी जाने वाली गो-कार्ट फीलिंग का बेहतरीन संयोजन है तथा इसका भारत में निर्माण ग्राहकों को बेहतर वैल्यू प्रदान करेगा। फेवर्ड पैकह्ल में उपलब्ध ऑल-न्यू मिनी कंट्रीमैन सी की एक्स-शोरूम कीमत 47,50,000 रुपये रखी गई है। बीएमडब्लू इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज के तहत इसे 56,990 रुपये मासिक किस्त और 66 प्रतिशत तक एश्योर्ड बायबैक वैल्यू के साथ भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

सामूहिक योगाभ्यास कर मनाया योग दिवस

उदयपुरवाटी। उपखंड प्रशासन, आयुर्वेद विभाग झुंझुनू एवं नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में उपखंड स्तरीय 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पांच बत्ती के पास बने खेल मैदान में समारोह पूर्वक मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के समक्ष अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यक्रम में अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों व बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। इस योग दिवस पर विकास कुमावत व महिला योग प्रशिक्षक ललिता सैनी ने विभिन्न मुद्राओं में योगाभ्यास करवाया। कार्यक्रम में तहसीलदार जे.आर.कुड़ी, ब्लॉक विकास अधिकारी पूरण राम मेघवाल,नगर

मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण राम सैनी ,आरएसएस के गंगाराम मौर्य, योग कार्यक्रम के सह संयोजक भाजपा के दिनेश कुमार सैनी, एसीबीओ महेंद्र सैनी,प्रिंसिपल प्रदीप चौधरी, कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती रत्ना सैनी,सेवा निवृत अध्यापक बनवारी लाल मीना, किसान नेता धनाराम सैनी, एडवोकेट मोतीलाल सैनी,डॉ.परमानंद शर्मा, डॉ विनोद सैनी, डॉ. जाबिर हुसैन, होम्यो.डॉ नेहा सैनी,योगेश मीणा, राहुल ओला, महेश सैनी, प्रभु सैनी, भारत सैनी, ललित सैनी, महेंद्र सिंह राव, विनोद कुमावत, अशोक सैनी, सुशील सैनी, नरेश कुमावत, सुधीर रामुका, योगेश मीणा,भरत सैनी सहित पूरी योगा टीम, मातृशक्ति, विद्यार्थी और योग प्रेमियों ने इस योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लिया।प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ने किया। इस अवसर पर स्वस्थ जीवन की प्रेरणा देते हुए उन्होंने इस योग दिवस पर योग बने जिंदगी जीने का तहरीर नामक शीर्षक से एक शानदार प्रस्तुति पेश की और कहा स्वस्थ रहने के लिए आज सब की जरूरत बन रहा है योग। आयोजित हुए ब्लॉक स्तरीय इस कार्यक्रम के योग नोडल अधिकारी डॉ राकेश कुमार माहिच ने कार्यक्रम के समापन पर सभी पधारे हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिवसेना उद्धव गुट के 50 से अधिक पदाधिकारी भाजपा में शामिल

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को उस समय बड़ी संगठनात्मक मजबूती मिली, जब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) तथा अन्य दलों के 50 से अधिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए। यह पक्ष प्रवेश कार्यक्रम वसई पश्चिम स्थित विधायक जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित किया गया, जहां वसई विधानसभा की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नए कार्यकताओं का भाजपा परिवार में स्वागत किया। कार्यक्रम में शामिल होने वाले कार्यकताओं ने पहले देश, फिर पार्टी और आखिर में स्वयंह्व की राष्ट्रवादी विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते हुए Narendra Modi, Devendra Fadnavis, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष Ravindra Chavan n तथा विधायक स्नेहा दुबे पंडित के

नेतृत्व पर भरोसा जताया। भाजपा में शामिल होने वालों में उभाठा शाखा प्रमुख विशाल भावलाल राहड़, रत्नेश गौड़, शिवसेना शिंदे गुट के शाखा प्रमुख जसमीर पवार, उभाठा गोखिवरे विभाग प्रमुख शैलेंद्र गोलवलकर, वसई क्रीड़ा मंडल अध्यक्ष अविनाश प्रभाकर, सचिव अभिषेक झा सहित राहुल राहड़, सुनेश उटेकर, आयुष सकपाई, कुणाल राहड़, आदित्य पटेल, भावेश छोंकर, नितेश उटेकर, अनिकेत उटेकर, रोहित कनोजिया, आकाश गौड़, वैभव देशमुख, सुजीत शर्मा, हैप्पी सिंह, करण साहनी एवं अन्य अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, एसआईआर वसई विधानसभा प्रमुख मयंक शेठ, प्रदेश पदाधिकारी गोपी मेनन, एच.आर. सक्सेना, एडवोकेट प्रणित कोप्पिकर, निशांत शर्मा, परवेश दुबे, अनीता गुप्ता, बबन टिंगरे सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा राष्ट्रहित विकास की राजनीति को समर्पित संगठन है तथा नए साथियों के जुड़ने से पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि इस बड़े पक्ष प्रवेश से वसई विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा आगामी समय में पार्टी के विस्तार और जनसंपर्क अभियान को नई गति मिलेगी।

एमएसएससीटी एक्सीलेंस अवार्ड 2026 सफलतापूर्वक संपन्न,मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान, योग दिवस भी मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति) । माँ सुशीला सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से इन्फिनिटी साइंस क्लासेस, नालासोपारा पूर्व में रविवार को आयोजित ₹एमएसएससीटी एक्सीलेंस अवार्ड 2026₹ का सातवाँ वार्षिक समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान किया गया तथा उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्ट के चेयरमैन सत्या त्रिपाठी के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ

समारोह की औपचारिक शुरूआत की गई। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के साथ योगाभ्यास कर योग दिवस भी मनाया गया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि तनु पांडेय का सम्मान किया गया। वहीं राकेश पाटिल ने विद्यार्थियों को आईटी क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी देते हुए उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में पूजा रामजी साहनी (89%), अर्पित दुबे (94.20%), अतुल शंभूनाथ गुप्ता (92.60%), सदाफ जलील अहमद चौधरी (90.60%), आंचल बनवारीलाल यादव (93.80%), वेदांत सुरेश गिरी (92.40%), मिहिर संदीप बागुल (92.80%), चंचल प्रसन्ना कुमार सामल (93.20%), कृषा रोहित दोशी (90.20%), तनिया इंद्रजीत बरई (95.40%), समर्थ संतोष तनावडे (91.00%), प्रतीक राकेश पांडेय (91.00%), श्रद्धा राजीव मिश्रा (90.00%), रवीना मोहनलाल पटेल (91.60%), हर्षाली शिवाकांत मौर्य (90.20%) एवं वेदिका अर्जुन चव्हाण (93.60%) शामिल रहे।

कार्यक्रम के समापन पर अभिभावकों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वाले ऐसे प्रेरणादायक आयोजन के लिए माँ सुशीला सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया।

समारोह को सफल बनाने में इन्फिनिटी साइंस क्लासेस की टीम का विशेष योगदान रहा। क्लासेस की ओर से संदीप यादव, प्रियंका म्हालसेकर, ऋतिका यादव सहित अन्य छात्र उपस्थित रहे। वहीं ट्रस्ट की ओर से सत्या त्रिपाठी, राकेश पाटिल, पूर्वी सिंह, विशाल गुप्ता एवं मोहित दुबे सहित अन्य सदस्यों ने आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

विश्व मंच पर भारत के योग का डंका, न्यूयार्क से शंघाई तक उमड़ा जनसैलाब

मुंबई/दिल्ली। दुनिया भर में 21 जून 2026 को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। जहां भारत में मुख्य कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित हुआ, वहीं सरहदों के पार विदेशों में भी भारतीय संस्कृति की इस अनमोल धरोहर की गूंज सुनाई दी। इस वर्ष यह वैश्विक उत्सव 'स्वस्थ आयु के लिए योग' की विशेष थीम पर केंद्रित रहा, जिसने हर उम्र के लोगों को एक्टिव और निरोगी जीवन जीने की राह दिखाई। विदेश मंत्रालय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के साझा सहयोग से दुनिया भर में फैले 210 से अधिक भारतीय मिशनों और दूतावासों ने करीब 2,500 से अधिक ऐतिहासिक व सार्वजनिक स्थानों पर भव्य योग शिविरों का आयोजन किया।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा की उपस्थिति में प्रतिष्ठित लिंकन मेमोरियल पर भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों योग प्रेमियों ने भाग लिया। इस दौरान पारंपरिक आयुर्वेदिक पद्धतियों की जानकारी देने के लिए विशेष 'आयुर्वेद कॉर्नर' भी बनाए गए थे। वहीं दूसरी ओर न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से दुनिया भर में प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर एक विशाल योग सभा का समन्वय किया गया।, जहां सत्र का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग गुरु एच. आर. नागेंद्र ने किया।

अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, आईडीवाई 2026 सिर्फ.योग तक ही सीमित नहीं था! पारंपरिक वेलनेस तरीकों को दिखाने वाले आयुर्वेद कॉर्नर से लेकर डुपॉन्ट सर्कल, वर्ल्ड बैंक और स्थानीय समुदायों के साथ हुए शुरूआती कार्यक्रमों तक – भारतीय दूतावास ने वॉशिंगटन डी.सी. के हर कोने में योग की भावना को पहुंचाया।

इसके अलावा शंघाई से लेकर टोरंटो तक और अफ्रीका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक योग की धूम देखने को मिली। चीन के शंघाई में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा वहां के प्रसिद्ध 'बंड फाइनेंस सेंटर' (बीएफसी) में एक विशाल सत्र आयोजित किया गया। कनाडा के टोरंटो में ओंटारियो विधानसभा की ऐतिहासिक इमारत के सामने सामूहिक योग शिविर लगाया गया, जिसमें प्रवासी भारतीयों और विदेशी नागरिकों की भारी मौजूदगी रही। ब्रिटेन के बर्मिंघम स्थित विक्टोरिया स्क्वायर और यूरोप में जर्मनी तथा स्वीडन के दूतावासों ने भी विशाल खुले मैदानों में योग शिविरों के जरिए जन-जन को निरोग रहने का संदेश दिया।

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित ओलंपिक पार्क में बड़े स्तर पर योग उत्सव आयोजित हुआ, जहां इस बार पहली बार दिव्यांगजनों के लिए विशेष योग सत्र और भारत के पारंपरिक व्यंजनों व वस्त्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। विदेशी धरती पर उमड़ी यह भीड़ साफ बयां कर रही है कि भारत का योग अब केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि दुनिया भर के कार्यस्थलों और जीवनशैली का हिस्सा बनकर एक बड़ा वैश्विक 'आरोग्य आंदोलन' बन चुका है।

द चैंबर ऑफ टैक्स कंसल्टेंट्स ने अपने शताब्दी समारोह में जानी-मानी हस्तियों को सम्मानित किया

मुंबई। द चैंबर ऑफ टैक्स कंसल्टेंट्स सीटीसी (CTC), जो टैक्स, अकाउंटिंग, कानूनी और संबंधित क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्था है, ने अपने शताब्दी समारोह के तहत 'शताब्दी मंथन' कार्यक्रम में मानद सदस्यता प्रदान करने का समारोह आयोजित किया।

सीटीसी की उत्कृष्टता के 100 साल पूरे होने कै मौके पर आयोजित इस समापन समारोह में कुछ जाने-माने पेशेवरों के बेहतरीन काम को मान्यता दी गई और कानूनी व पेशेवर समुदाय में उनके शानदार नेतृत्व, तकनीकी महारत और अहम योगदान को उजागर किया गया।

सम्मानित होने वाले प्रतिष्ठित पेशेवरों में जस्टिस आर.वी. ईश्वर (रिटायर्ड) - जाने-माने कानून विशेषज्ञ एवं पूर्व जज; श्री सौरभ सोपारकर - सीनियर एडवोकेट और श्री पर्सी पारदीवाला - सीनियर एडवोकेट शामिल थे। यात्रा पर होने के कारण श्री अरविंद दातार - सीनियर एडवोकेट ने वर्चुअल रूप से यह सम्मान स्वीकार किया। कानून-शास्त्र, संवैधानिक कानून, टैक्स और कानूनी ज्ञान के क्षेत्र में उनके काम ने भारत के पेशेवर और न्यायिक परिदृश्य को काफी प्रभावित किया है।

'द न्यू टैक्स कोड' (नया टैक्स कोड) पर हुए सत्र के मॉडरेटर सीए अनीश ठाकर ने कहा, ₹शताब्दी मंथन सिर्फ एक यादगार कार्यक्रम नहीं है; यह उन स्थायी मूल्यों पर विचार करने का एक मौका था, जिन्होंने इतने सालों में इस पेशे को आकार दिया है। कानूनी जगत के दिग्गजों और पेशेवर लीडरों को एक साथ लाने से सार्थक चिंतन और अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का माहौल बना। सीनियर एडवोकेट श्री रफीक दादा और सुश्री मालती श्रीधरन (पूर्व पीसीसीआईटी सहित जाने-माने पैनलिस्टों ने इन सुधारों को लागू करने के लिए कई व्यावहारिक समाधान बताए।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर सीए नीलेश शाह ने कहा, भारत की आर्थिक प्रगति उन संस्थानों और पेशेवरों पर ज्यादा निर्भर करेगी जो भरोसा, जवाबदेही और लंबी अवधि की सोच को बनाए रखते हैं। सीटीसी जैसे प्लेटफॉर्म, जिन्होंने एक सदी से ज्ञान और पेशेवर उत्कृष्टता में लगातार निवेश किया है, भविष्य के लिए तैयार नेतृत्व और जिम्मेदार विकास को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं।यह कार्यक्रम 'शताब्दी मंथन' का एक अहम हिस्सा है, जो सीटीसी की शताब्दी पहल है और जिसका मकसद एक सदी के ज्ञान को संजोते हुए भविष्य के लिए दृष्टिकोण तैयार करना है। इसने पेशेवर उत्कृष्टता, विचार-नेतृत्व और टैक्स व कानूनी इकोसिस्टम में सार्थक योगदान को प्रोत्साहित करने के प्रति संस्था की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

मैजिक के धक्के से महिला की मौत, पुत्र घायल

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के देवकली बाजार में रविवार तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई,जबकि उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। विदित हो कि 42 वर्षीय सुचित्रा देवी अपने पुत्र अनुज के साथ सड़क किनारे बैठी थी,इसी दौरान केराकत की ओर से तेज रफ्तार में आ रही मैजिक (ढाला गाड़ी) अनियंत्रित हो गई। वाहन पहले पीडब्ल्यूडी के संकेतक बोर्ड व पुलिस बूथ के साइन बोर्ड को तोड़ते हुए महिला व उसके पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र अनुज गंभीर रूप से घायल हो गया।टक्कर की आवाज सुन जब तक लोग मौके पर पहुंचे कि जब तक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घटना के बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में तहसील प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। मृतका अपने पीछे चार पुत्र और एक पुत्री छोड़ गई है। परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर बताई जा रही है। पति बबलू गोड़ मजदूर है। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। पति की तहरीर पर पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

डॉ. वकील नज़ीर इण्टर कालेज
ADDMISSION OPEN
2026- 27
फाउंडर & मैनेजर
डॉ. वकील अहमद नजीर
80094 80093
असिस्टेंट मैनेजर
मो0 राफे शमीम
(M.B.A)
निकट- करीमगंज, मानी कलाँ, शाहगंज, जनपद -जौनपुर (उ0प्र0)- 222139

मो. 7897031065, 9889373010
लालमनी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेन्टर
स्थान- मेडिकल कॉलेज के सामने, सिद्दीकपुर, जौनपुर.
हमारे अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक
डॉ. दिलीप कुमार सरोज
MBBS-M.S. ORTHO
हड्डी रोग विशेषज्ञ • On Call
डॉ. चंचला मिश्रा
MBBS-M.S.
स्त्रीरोग विशेषज्ञ • सुबह 10 से शाम 4 तक
डॉ. दिनेश कुमार
MBBS.MD. (GENERAL MEDICINE)
IMS - BHU 24 घण्टे
डॉ. प्रभाकर उपाध्याय
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. सुनील दुबे
MBBS-M.S.
(जनरल सर्जरी) • On Call
डॉ. अरविन्द कुमार यादव
MBBS-M.D.
बाल रोग विशेषज्ञ • प्रतिदिन
उपलब्ध सुविधाए-
• OT (MODULAR OT)
• VENTILATOR
• DIGITAL X-RAY
• PATHOLOGY
• ICU
• ABG
• BiPAP
• ECG

ISO 9001: 2015 CERTIFIED
आशीर्वाद हॉस्पिटल
डा. विनोद कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो सर्जन)
ट्रामा एण्ड ज्वाइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
दूरबीन (Arthroscopy) विधि द्वारा Ligament Repair (ACL, PCL, Etc.) की सुविधा उपलब्ध।
आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत समस्त रोगों का नि:शुल्क इलाज
Policetechnical Chauraha, Jaunpur
9415287571, 8953320461
9838639567, 7839059070
जनपद का प्रथम जापानी तकनीकी से निर्मित अध्यायुविक IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी) सेन्टर
ASHIRWAD IVF & FERTILITY CENTER
Embrace Your Life's Most Precious Gift
डा. अन्जू कन्नौजिया
एम.बी.बी.एस., एम.एस.कन्सलटेन्ट आब्सटेट्रिक्स &
गायनकोलोजिस्ट एण्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट
इक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी विशेषज्ञ
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पता : पालिटेक्निक चौराहा, जौनपुर

Reg. No. JNP/228
Mob. 9554188080
ABEEHA
Diagnostic Center
अबीहा
डायग्नोस्टिक सेन्टर
24/7 Emergency Services
ULTRASOUND
PATHOLOGY
Shahganj Padaw, Pani Tanki, In Front of Mandir, Jaunpur

EPS EDEN PUBLIC SCHOOL
C.B.S.E. AFFILIATED (10+2) ENGLISH MEDIUM
Nursery to IX & XI Science, Commerce & Art
नूरजहाँ गर्ल्स हायर सेकण्ड्री स्कूल
2026-27 ADMISSION OPEN
Founder/Chairmain
Pervez Alam (Bhutto)
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

नया सत्र
Educate A Girl.... Educate A Family....
Best Educationist Award by Deputy CM Shri Brajesh Pathak
मॉडर्न कान्वेंट स्कूल
कक्षा- नर्सरी से 11 तक
अंग्रेज़ी माध्यम
Established Since 1999
With good quality of education
E-mail: modernconventschool007@gmail.com
www.mcsshools.com
प्रवेश प्रारम्भ
2026-27
7518714123
8960117268
7007016231
प्रबंधक
डॉ0 आबिद खान
निकट- हबीब हॉस्पिटल के पास खेतसाराय, जौनपुर

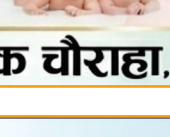

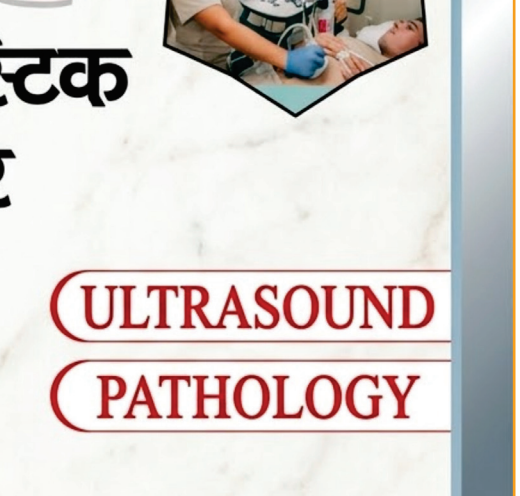

जीवन रक्षा हॉस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर
डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
फ्रैक्चर, गठिया, कमर दर्द ऑर्थराइटिस, कूल्हाघुटना प्रत्यारोपण इत्यादि रोगो का इलाज
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन ट्यूमर का ऑपरेशन दूरबीन विधि द्वारा बच्चे की जाँच नार्मल डिलीवरी इत्यादि रोगो का इलाज किया जाता है।
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत
PM-JAY
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
24/7 Emergency Services
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

TSMH
त्रिभुवन सिंह मेमोरियल
हॉस्पिटल
डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)
हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ
डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद
पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ
★ नवजात शिशु का आई.सी.यू. एक्सरे, ई.सी.जी. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
★ निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
★ समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
★ नवजात शिशु, हाई रिस्क ओपीडी (प्रत्येक शनिवार) अत्यन्त अल्पविकसित नवजात व गम्भीर स्थिति से भर्ती नवजात के मानसिक एवं शारिरीक विकास का आकलन व उपचार।
★ अल्पविकसित नवजात शिशु को एक बार अवश्य दिखाए ।
★ वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस निमोनिया, लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी नसों में शून्नपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत
PM-JAY
आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423 | YouTube @TribhuvanSinghMemorialHospital

Affiliation Code- 2134064
2026-27
ADMISSION OPEN
Schooll Code- 72085
NEW DELHI PUBLIC SCHOOL
Shaping Generations
NURSERY ONWARDS
Affiliated to CBSE New Delhi
LEARNING BY DOING
Our Facilities
• Qualified Teachers
• Group Activities
• Quality Education
• Creative Learning
YOUR KIDS DESERVE THE BEST EDUCATION
Mob.: 9170993826, 7269081017
Add- Imranganj, Shahganj, Jaunpur (UP) 223101

Reg.No.- CMEE2134134
The Culture of Care
SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल
A Unit of Solvation Foundation Trust
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर
(वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे NH-56) से 400 मीटर दूरी पर
ECHS
EX. SERVICEMEN CONTRIBUTORY HEALTH SCHEME
QCI
ISO 9001:2015
प्रतीक श्रीवास्तव
(मैनेजिंग डायरेक्टर)
डा. विवेक श्रीवास्तव
एम.डी. (फिजिसियन)
Feilposnia in Ots & Gyana
Fellbeship in Dielysis
Meirber of Indian Medical Association
डा. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. अमित कुमार गौरव
एम.बी.बी.एस., एम.डी.एम
कार्डियोलॉजिस्ट
आई.एम.एस., बी.एच.यू.
डा. संदीप राय
एम.बी.बी.एस., एम.डी.एम
गैस्ट्रोलॉजिस्ट
जी.बी. पन्त हॉस्पिटल. न्यू दिल्ली
डा. संतोष कुमार मौर्य
एम.बी.बी.एस., एम.डी., डी.एम
नेफ्रोलॉजिस्ट
डा. उज्जवला
बी.डी.एस. (डेंटिस्ट)
दन्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएँ-
वेन्टीलेटर वाईपैप की सुविधा
ICU भर्ती उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड, एक्स-रे
पैथोलॉजी/ ECG
• हमारे यहाँ आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड धारकों को निःशुल्क इलाज व ऑपरेशन किया जाता है।
• आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।
• दांतो की सम्पूर्ण जाँच उपलब्ध है। • आँखों की सम्पूर्ण जाँच व ऑपरेशन भी होता है।
• TPA/Insurance Company के द्वारा कैशलेश की सुविधा उपलब्ध है।
परामर्श हेतु संपर्क करें- 9138828283, 8686867547, 7742913338
www,thesalvationhospital.com salvationhospital@gmail.com Salvationhospital
24/7 Emergency Services
नोट- डी.एम.गेस्ट्रो, काडियो, नेफ्रो को दिखाने के लिए पहले से नम्बर लगायें।

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center
अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
24/7 Emergency Services
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
आयुष्मान भारत
PM-JAY
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

AMIR TRAVELS
Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS
Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer
Vakrangee Kendra
ATM
Withdrawal & Deposit Money from All Bank (ATM & Adhaar Services)
Passport, Pan Card & Driving License Services
Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services
Aadhar Card Correction Online
Card nahi?
Scan Karo, Paisa Nikalo!
Bina card ke sirf QR scan karein aur turant cash payein.
Scan » Withdraw » Done
IndiGo
QATAR
Air India Express
flynas
flydubai
Emirates
OMAN AIR
SAUDIA
KUWAIT
vistara
VISA
प्रो0- मो0 आसिफ
7860303530, 9616636079
उप- संपादक
डॉ. इम्तियाज अहमद
उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक | मो0- 9695970605
www. uttarshaktinews.com
YouTube UTTAR SHAKTI TV NEWS
E Mail- uttarshaktijaunpur7066@gmail.com
Uttar Shakti News Jaunpur
निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0. प्र0)